

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	ज्येष्ठ 08, सोमवार, शाके 1945-मई 29, 2023 Jyaistha 08, Monday, Saka 1945- May 29, 2023	

भाग 4 (ग)

उप-खण्ड (I)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य-प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये (सामान्य आदेशों, उप-विधियों आदि को सम्मिलित करते हुए) सामान्य कानूनी नियम।

कार्मिक विभाग

क-ग्रुप-2

अधिसूचना

जयपुर, मई 25, 2023

जी.एस.आर.29 :-भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान के राज्यपाल, राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक सेवा (महाविद्यालय शाखा), के पदों पर भर्ती तथा उसमें नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिए, इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 2023

भाग 1 साधारण

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.- (1) इन नियमों का नाम राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 2023 है।

(2) ये 18.07.2018 से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.- जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इन नियमों में, -

(क) **“नियुक्ति प्राधिकारी”** से राजस्थान सरकार और ऐसा कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है जिसे सरकार द्वारा इस निमित्त शक्तियां प्रत्यायोजित की जायें;

(ख) **“आयोग”** से राजस्थान लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है;

(ग) **“समिति”** से नियम 29 के उप-नियम (3) में निर्दिष्ट समिति अभिप्रेत है;

(घ) **“आयुक्त/निदेशक”** से महाविद्यालय शिक्षा, राजस्थान का आयुक्त/निदेशक अभिप्रेत है;

(ङ) **“सीधी भर्ती”** से इन नियमों के भाग 4 में विहित प्रक्रिया के अनुसार की गयी भर्ती अभिप्रेत है;

(च) **“सरकार”** से राजस्थान सरकार अभिप्रेत है;

(छ) **“सेवा का सदस्य”** से इन नियमों या इन नियमों द्वारा अतिष्ठित नियमों या आदेशों के उपबंधों के अधीन नियमित चयन के आधार पर सेवा में के किसी पद पर नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

- (ज) “पदोन्नति” से कैरियर उन्नति स्कीम के अधीन पदोन्नति, अभिप्रेत है;
- (झ) “विनियमों” से राज्य सरकार द्वारा यथा अंगीकृत और समय-समय पर यथा संशोधित, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अन्य शैक्षिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम अर्हता तथा उच्चतर शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु उपाय) विनियम, 2018 अभिप्रेत है;
- (ञ) “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;
- (ट) “सेवा” से राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक सेवा (महाविद्यालय शाखा), अभिप्रेत है;
- (ठ) “सेवा” या “अनुभव” से जहाँ कहीं भी इन नियमों में, उच्चतर पद पर पदोन्नति के लिए पात्र किसी निम्नतर पद को धारण करने वाले व्यक्ति की दशा में, एक सेवा से दूसरी सेवा में या सेवा के भीतर एक प्रवर्ग से दूसरे प्रवर्ग में या वरिष्ठ पदों पर पदोन्नति के लिए एक शर्त के रूप में विहित हो, उसमें ऐसी कालावधि सम्मिलित होगी, जिसमें ऐसे व्यक्ति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन प्रख्यापित नियमों के अनुसार नियमित चयन के पश्चात् ऐसे निम्नतर पद पर निरन्तर कार्य किया हो।
- टिप्पण:** सेवा के दौरान की ऐसी अनुपस्थिति उदाहरणार्थ प्रशिक्षण, छुट्टी और प्रतिनियुक्ति इत्यादि, जो राजस्थान सेवा नियम, 1951 के अधीन ‘ड्यूटी’ के रूप में मानी जाती है, पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम अनुभव या सेवा की संगणना करने के लिए सेवा के रूप में गिनी जायेगी;
- (ड) “राज्य” से राजस्थान राज्य अभिप्रेत है; और
- (ढ) “अधिष्ठायी नियुक्ति” से इन नियमों के अधीन विहित भर्ती की किसी भी रीति से सम्यक् चयन के पश्चात् किसी अधिष्ठायी रिक्ति पर इन नियमों के उपबंधों के अधीन की गयी नियुक्ति अभिप्रेत है और इसमें परिवीक्षा पर या परिवीक्षाधीन व्यक्ति के रूप में की गयी कोई नियुक्ति सम्मिलित है जिस पर परिवीक्षाकाल की समाप्ति के पश्चात् स्थायीकरण किया जाता हो;
- टिप्पण:** इन नियमों के अधीन विहित भर्ती की किसी भी रीति से सम्यक् चयन के अन्तर्गत, अर्जेंट अस्थायी नियुक्ति के सिवाय, या तो सेवा के प्रारम्भिक गठन पर की गयी या भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन प्रख्यापित किन्हीं भी नियमों के उपबंधों के अनुसार की गयी भर्ती आयेगी; और
- (ण) “वर्ष” से वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

3. निर्वचन.- जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, राजस्थान साधारण खण्ड अधिनियम, 1955 (1955 का अधिनियम सं.VIII) इन नियमों के निर्वचन के लिए उसी प्रकार लागू होगा जिस प्रकार वह किसी राजस्थान अधिनियम के निर्वचन के लिए लागू होता है।

भाग 2**संवर्ग**

4. सेवा की संरचना और उसमें पदों की संख्या.- (1) सेवा में सम्मिलित पदों का स्वरूप ऐसा होगा जो अनुसूची-1 के स्तम्भ 2 में यथा विनिर्दिष्ट है।

(2) सेवा में पदों की संख्या ऐसी होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाये:

परन्तु सरकार,-

(क) आवश्यक पाये जाने पर कोई भी स्थायी या अस्थायी पद समय-समय पर सृजित कर सकेगी और किसी व्यक्ति को किसी भी प्रतिकर का हकदार बनाये बिना ऐसे किसी पद को उसी रीति से समाप्त कर सकेगी; और

(ख) किसी व्यक्ति को किसी भी प्रतिकर का हकदार बनाये बिना किसी स्थायी या अस्थायी पद को समय-समय पर खाली या प्रास्थगित रख सकेगी या समाप्त या व्यपगत होने के लिए अनुज्ञात कर सकेगी।

5. सेवा का प्रारम्भिक गठन.- सेवा निम्नलिखित से मिलकर गठित होगी, -

(क) इन नियमों के प्रारंभ की तारीख को अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट पद को अधिष्ठायी रूप से धारण करने वाले समस्त व्यक्ति ;

(ख) इन नियमों के प्रारंभ से पूर्व सेवा में सम्मिलित पदों पर भर्ती किये गये समस्त व्यक्ति; और

(ग) नियम 31 के अधीन अर्जेंट अस्थायी नियुक्ति को छोड़कर, इन नियमों के उपबंधों के अनुसार सेवा में भर्ती किये गए समस्त व्यक्ति।

भाग 3**भर्ती**

6. भर्ती की रीतियां.- (1) इन नियमों के प्रारंभ के पश्चात् सेवा में सम्मिलित पद (पदों) पर भर्ती निम्नलिखित रीतियों से की जायेगी, अर्थात्:-

(क) इन नियमों के भाग 4 के उपबंधों के अनुसार सीधी भर्ती द्वारा; और

(ख) इन नियमों के भाग 5 के उपबंधों के अनुसार पदोन्नति द्वारा।

(2) उपर्युक्त रीति द्वारा सेवा में भर्ती इस प्रकार की जायेगी कि प्रत्येक रीति से सेवा में नियुक्त व्यक्ति किसी भी समय प्रत्येक प्रवर्ग के लिए समय-समय पर स्वीकृत कुल संवर्ग संख्या से अधिक नहीं हों:

(3) इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, आपात के दौरान थल सेना/वायुसेना/नौसेना में पदग्रहण करने वाले किसी व्यक्ति की भर्ती, नियुक्ति, वरिष्ठता और स्थायीकरण आदि ऐसे आदेशों और अनुदेशों से विनियमित होंगे जो सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जायें, और इन्हें भारत

सरकार द्वारा इस विषय पर जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार, यथावश्यक परिवर्तन सहित, विनियमित किया जायेगा।

7. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए रिक्तियों का आरक्षण.-(1)

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए रिक्तियों का आरक्षण, सीधी भर्ती के समय प्रवृत्त ऐसे आरक्षण के लिए सरकार के आदेश के अनुसार होगा।

(2) नियुक्तियां सर्वथा सीधी भर्ती के लिए विहित रोस्टर के अनुसार की जायेंगी।

(3) किसी वर्ष-विशेष में सीधी भर्ती के लिए अनुसूचित जातियों या, यथास्थिति, अनुसूचित जनजातियों में के पात्र तथा उपयुक्त अभ्यर्थी की अनुपलब्धता दशा में उनके लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियों को पश्चात्पूर्वी तीन भर्ती वर्षों के लिए अग्रणीत किया जायेगा। तीन भर्ती वर्षों की समाप्ति के पश्चात् ऐसी अग्रणीत की गयी रिक्तियां सामान्य प्रक्रिया के अनुसार भरी जायेंगी:

परन्तु,-

- (i) यदि किसी भर्ती वर्ष में भर्ती नहीं की जाती है तो ऐसे भर्ती वर्ष को इस उप-नियम के प्रयोजन के लिए संगणित नहीं किया जायेगा।
- (ii) इस उप-नियम के अधीन सामान्य प्रक्रिया के अनुसार रिक्तियों का भरा जाना पद आधारित रोस्टर के अनुसार पदों के आरक्षण को प्रभावित नहीं करेगा और रोस्टर में आरक्षित पदों पर उपलब्ध रिक्तियों को अनुसूचित जातियों या, यथास्थिति, अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों में से भरा जा सकेगा जिनके लिए ऐसी रिक्ति पश्चात्पूर्वी वर्षों में उपलब्ध हो।

8. पिछड़े वर्गों और अति पिछड़े वर्गों के लिए रिक्तियों का आरक्षण.- पिछड़े वर्गों और अति पिछड़े वर्गों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सीधी भर्ती के समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुसार होगा। किसी वर्ष-विशेष में पिछड़े वर्गों और अति पिछड़े वर्गों के पात्र और उपयुक्त अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की दशा में उनके लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियां सामान्य प्रक्रिया के अनुसार भरी जायेंगी।

9. आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए रिक्तियों का आरक्षण.- सीधी भर्ती में विद्यमान आरक्षण के अतिरिक्त, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए रिक्तियों का आरक्षण 10 प्रतिशत होगा। किसी वर्ष-विशेष में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में के पात्र और उपयुक्त अभ्यर्थी की अनुपलब्धता की दशा में उनके लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियां सामान्य प्रक्रिया के अनुसार भरी जायेंगी।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए 'आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग' वे व्यक्ति होंगे जो राजस्थान के मूल निवासी हैं और जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की विद्यमान स्कीम के अन्तर्गत नहीं आते हैं और जिनके कुटुम्ब की कुल वार्षिक आय 8.00 लाख रुपये से कम है। इस प्रयोजन के लिए 'कुटुम्ब' में, वह व्यक्ति, जो आरक्षण का फायदा चाहता है, उसके माता-पिता और

18 वर्ष से कम आयु की/का/बहिन/भाई, उसका पति/उसकी पत्नी और 18 वर्ष से कम आयु की सन्तानें भी सम्मिलित होंगी। 'आय' में समस्त स्रोतों अर्थात् वेतन, कृषि, कारबार, वृत्ति आदि से आय सम्मिलित होगी और यह, आवेदन के वर्ष से पूर्व के वित्तीय वर्ष की आय होगी।

10. महिलाओं के लिए रिक्तियों का आरक्षण.- सीधी भर्ती में, महिला अभ्यर्थियों के लिए रिक्तियों का आरक्षण 30 प्रतिशत प्रवर्गवार होगा जिसमें से एक तिहाई विधवाओं और विच्छिन्न विवाह महिला अभ्यर्थियों के लिए 80:20 के अनुपात में होगा। किसी वर्ष-विशेष में या तो विधवा या विच्छिन्न विवाह महिलाओं में से किसी में भी पात्र और उपयुक्त अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की दशा में रिक्तियों को पहले अन्तर-परिवर्तन द्वारा, अर्थात् विधवाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों को विच्छिन्न विवाह महिलाओं से या विपर्ययेन, भरा जा सकेगा। पर्याप्त रूप से विधवा और विच्छिन्न विवाह महिला अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की दशा में, न भरी गयी रिक्तियां उसी प्रवर्ग की अन्य महिलाओं द्वारा भरी जायेंगी और पात्र तथा उपयुक्त महिला अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता की दशा में उनके लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियां उस प्रवर्ग, जिसके लिए रिक्तियां आरक्षित हैं, के पुरुष अभ्यर्थियों द्वारा भरी जायेंगी। महिला अभ्यर्थियों के लिए इस प्रकार आरक्षित रिक्तियां पश्चात्पूर्वी वर्ष के लिए अग्रणीत नहीं की जायेगी। विधवाओं और विच्छिन्न विवाह महिलाओं सहित, महिलाओं के लिए आरक्षण को प्रवर्ग के भीतर क्षैतिज आरक्षण माना जायेगा अर्थात् प्रवर्ग की सामान्य योग्यता में चयनित महिलाओं को भी पहले महिला कोटे के विरुद्ध समायोजित किया जायेगा।

स्पष्टीकरण: विधवा के मामले में, उसे अपने पति की मृत्यु का सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और विच्छिन्न विवाह महिला के मामले में उसे विवाह-विच्छेद का सबूत प्रस्तुत करना होगा।

11. राष्ट्रीयता.- सेवा में नियुक्ति के लिए कोई अभ्यर्थी,-

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल का प्रजाजन, या
- (ग) भूटान का प्रजाजन, या
- (घ) भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से 1 जनवरी, 1962 के पूर्व भारत में आया तिब्बती शरणार्थी, या
- (ङ) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश कीनिया, युगाण्डा तथा संयुक्त तंजानिया गणतंत्र (पूर्ववर्ती टांगानिका और जंजीबार), जाम्बिया, मालावी, जैरे और इथियोपिया से आया हो:

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) प्रवर्गों का कोई अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में सरकार के गृह एवं न्याय विभाग द्वारा समुचित सत्यापन के पश्चात् पात्रता प्रमाणपत्र जारी किया गया हो।

12. अन्य देशों से भारत में आये व्यक्तियों की पात्रता की शर्तें.- इन नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, ऐसे व्यक्ति के बारे में, जो भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से अन्य देशों से भारत में आया हो, सेवा में भर्ती के लिए पात्रता हेतु राष्ट्रीयता, आयु-सीमा और फीस या अन्य रियायतों संबंधी उपबंध ऐसे आदेशों या अनुदेशों द्वारा विनियमित होंगे जो सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जायें और वे भारत सरकार द्वारा उस विषय पर जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार, यथावश्यक परिवर्तन सहित, विनियमित किये जायेंगे।

13. रिक्तियों का अवधारण.- (1) इन नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, नियुक्ति प्राधिकारी प्रतिवर्ष 1 अप्रैल को वित्तीय वर्ष के दौरान होने वाली रिक्तियों की वास्तविक संख्या अवधारित करेगा।

(2) जहां कोई पद इन नियमों या अनुसूची-I में यथाविहित किसी एकल रीति द्वारा भरा जाना हो वहां इस प्रकार अवधारित रिक्तियां उस रीति से भरी जायेंगी।

14. आयु.- अनुसूची-I में प्रगणित पदों पर सीधी भर्ती का कोई अभ्यर्थी, आवेदनों की प्राप्ति के लिए नियत अंतिम तारीख के ठीक बाद आने वाले जनवरी के प्रथम दिन को 21 वर्ष की आयु प्राप्त किया हुआ होना चाहिए और 40 वर्ष की आयु प्राप्त किया हुआ नहीं होना चाहिए:

परन्तु, -

(i) उपरिवर्णित ऊपरी आयु सीमा को -

(क) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के पुरुष अभ्यर्थी के मामले में 5 वर्ष तक;

(ख) सामान्य प्रवर्ग की महिला अभ्यर्थी के मामले में 5 वर्ष तक; और

(ग) अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की महिला अभ्यर्थी के मामले में 10 वर्ष तक,

शिथिल किया जायेगा।

(ii) उपरिवर्णित ऊपरी आयु सीमा ऐसे भूतपूर्व कैदी के मामले में लागू नहीं होगी, जो उसकी दोषसिद्धि के पूर्व सरकार के अधीन किसी पद पर अधिष्ठायी तौर पर सेवा कर चुका था/थी और इन नियमों के अधीन नियुक्ति का पात्र था/थी;

(iii) किसी भूतपूर्व कैदी के मामले में, जो उसकी दोषसिद्धि के पूर्व अधिकायु का नहीं था/थी और इन नियमों के अधीन नियुक्ति का पात्र था/थी उपरिवर्णित ऊपरी आयु सीमा को, भुक्त कारावास की अवधि के बराबर की कालावधि तक शिथिल किया जायेगा;

(iv) सेवा में के किसी पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त व्यक्तियों को, यदि वे प्रारम्भिक नियुक्ति के समय आयु सीमा में होते, आयु सीमा में ही समझा जायेगा, चाहे उन्होंने आयोग के समक्ष अंतिम रूप से उपस्थित होने के समय आयु सीमा पार कर ली हो और यदि वे अपनी प्रारम्भिक नियुक्ति के समय इस प्रकार पात्र थे तो उन्हें दो अवसर तक दिये जायेंगे;

(v) कैडेट अनुदेशकों के मामले में उपरिवर्णित ऊपरी आयु सीमा को, उनके द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर में की गयी सेवा के बराबर की कालावधि तक शिथिल किया जायेगा यदि पारिणामिक आयु विहित अधिकतम आयु सीमा से तीन वर्ष से अधिक न हो तो उन्हें विहित आयु सीमा में समझा जायेगा;

(vi) निर्मुक्त आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों को एवं लघु सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों को, सेना से निर्मुक्त होने के पश्चात् जब वे आयोग के समक्ष उपस्थित हों, आयु सीमा में समझा जायेगा चाहे उन्होंने आयु सीमा पार कर ली हो यदि वे सेना में कमीशन ग्रहण करने के समय आयु सीमा की दृष्टि से पात्र थे;

(vii) राज्य, पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों और राज्य पब्लिक सेक्टर उपक्रम/निगम के कार्यकलापों के संबंध में अधिष्ठायी हैसियत से सेवा कर रहे व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा 40 वर्ष होगी;

(viii) विधवाओं और विच्छिन्न विवाह महिलाओं के मामले में कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी,

स्पष्टीकरण: किसी विधवा के मामले में, उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त अपने पति की मृत्यु का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और विच्छिन्न विवाह महिला के मामले में उसे विवाह-विच्छेद का सबूत प्रस्तुत करना होगा।

(ix) यदि कोई अभ्यर्थी सीधी भर्ती के लिए, ऐसे किसी वर्ष में जिसमें ऐसी कोई भर्ती नहीं की गयी थी, अपनी आयु के संबंध में हकदार था/थी तो उसे ठीक आगामी भर्ती के लिए पात्र समझा जायेगा यदि वह 3 वर्ष से अधिक के द्वारा अधिकायु का/की नहीं हुआ/हुई है।

(x) वह व्यक्ति जो 31.12.2020 को आयु सीमा के भीतर था उसे 31.12.2024 तक आयु सीमा के भीतर समझा जायेगा।

15. शैक्षणिक और तकनीकी अर्हताएं तथा अनुभव.- अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट पद (पदों) पर सीधी भर्ती का कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित अर्हता रखेगा, -

(i) अनुसूची-I के स्तम्भ 4 में यथा अधिकथित अर्हताएं तथा अनुभव; और

(ii) देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान और राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान: परन्तु ऐसा व्यक्ति, जो सीधी भर्ती के लिए इन नियमों या अनुसूची-I में यथोल्लिखित पद के लिए अपेक्षित शैक्षिक अर्हता वाले पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष की परीक्षा में उपस्थित हो चुका है या उपस्थित हो रहा है, उस पद के लिए आवेदन करने का पात्र होगा/होगी किन्तु उसे, -

(i) जहां चयन लिखित परीक्षा के दो प्रक्रमों और साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता हो, मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने से पूर्व;

(ii) जहां चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता हो, साक्षात्कार में उपस्थित होने से पूर्व;

(iii) जहां चयन केवल लिखित परीक्षा या, यथास्थिति, केवल साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता हो, लिखित परीक्षा या साक्षात्कार में उपस्थित होने से पूर्व,

समुचित चयन एजेंसी को अपेक्षित शैक्षिक अर्हता अर्जित कर लेने का सबूत प्रस्तुत करना होगा।

16. चरित्र.- सेवा में सीधी भर्ती के अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जो उसे सेवा में नियोजन के लिए अर्हित करे। उसे विश्वविद्यालय या महाविद्यालय जिसमें उसने अंतिम बार शिक्षा पायी थी, के प्राचार्य/शैक्षणिक अधिकारी द्वारा प्रदत्त सचचरित्रता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए और साथ ही ऐसे दो प्रमाणपत्र, जो आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख से छह मास से अधिक पूर्व के लिखे हुए न हों, ऐसे दो उत्तरदायी व्यक्तियों के प्रस्तुत करने चाहिए जो उसके महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से सम्बद्ध न हों और न उसके संबंधी हों।

टिप्पण: (i) किसी न्यायालय द्वारा की गयी दोषसिद्धि मात्र में सचचरित्रता प्रमाणपत्र से इन्कार किया जाना अन्तर्वलित नहीं है। दोषसिद्धि की परिस्थितियों पर विचार किया जाना चाहिए और यदि उनमें नैतिक अधमता संबंधी कोई बात अन्तर्वलित नहीं है या उनका संबंध हिंसक अपराधों या ऐसे आन्दोलनों से नहीं है, जिनका उद्देश्य विधि द्वारा स्थापित सरकार को हिंसात्मक तरीकों से उलटना हो तो दोषसिद्धि मात्र को निरर्हता नहीं समझा जाना चाहिए।

(ii) ऐसे भूतपूर्व कैदियों के साथ, जिन्होंने कारावास में अपने अनुशासित जीवन से और पश्चात्कर्ती सदाचरण से अपने आप को पूर्णतया सुधरा हुआ सिद्ध कर दिया हो, सेवा में नियोजन के प्रयोजन के लिए इस आधार पर विभेद नहीं किया जाना चाहिए कि वे पूर्व में सिद्धदोष ठहराये जा चुके हैं। उन व्यक्तियों को, जिन्हें ऐसे अपराधों के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है जिनमें नैतिक अधमता या हिंसा अन्तर्वलित नहीं है, पूर्णतया सुधरा हुआ मान लिया जायेगा, यदि वे 'पश्चात्कर्ती देखरेख गृह' के अधीक्षक की, या यदि किसी जिला-विशेष में ऐसे गृह नहीं हैं तो उस जिले के पुलिस अधीक्षक की, इस आशय की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दें।

(iii) उन व्यक्तियों से, जिन्हें ऐसे अपराधों के लिए, जिनमें नैतिक अधमता या हिंसा अन्तर्ग्रस्त है, सिद्धदोष ठहराया गया है, पश्चात्कर्ती देखरेख गृह के अधीक्षक का या यदि किसी जिला-विशेष में ऐसा गृह नहीं है तो उस जिले के पुलिस अधीक्षक का, कारागार के महानिरीक्षक द्वारा पृष्ठांकित इस आशय का, कि उन्होंने कारावास के दौरान अपने अनुशासित जीवन से तथा पश्चात्कर्ती देखरेख गृह में अपने पश्चात्कर्ती सदाचरण से यह सिद्ध कर दिया है कि वे अब पूर्णतः सुधर गये हैं अतः नियोजन के लिए उपयुक्त हैं, प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जायेगी।

17. शारीरिक उपयुक्तता और शारीरिक दक्षता परीक्षण.- (1) सेवा में सीधी भर्ती के अभ्यर्थी को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें किसी प्रकार का ऐसा कोई मानसिक और शारीरिक नुक्स नहीं होना चाहिए जिससे सेवा के सदस्य के रूप में उसके कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा आने की संभावना हो और यदि वह चयनित हो जाये तो उसे सरकार द्वारा उस प्रयोजन के लिए अधिसूचित किसी चिकित्सा प्राधिकारी का इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे अभ्यर्थी के मामले में जो पहले से राज्य के कार्यकलाप के संबंध में सेवारत हो, ऐसा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने से अभिमुक्त कर सकेगा यदि पूर्ववर्ती नियुक्ति के लिए उसकी स्वास्थ्य परीक्षा पहले ही कर ली गयी हो और उसके द्वारा धारित दोनों पदों के लिए स्वास्थ्य परीक्षा का आवश्यक मापमान नये पद के कर्तव्यों के दक्षतापूर्ण पालन के तुल्य हो और आयु के कारण उस प्रयोजन के लिए उसकी कार्यदक्षता में कोई कमी न आयी हो।

(2) शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के पद पर सीधी भर्ती के अभ्यर्थी से निम्नलिखित शारीरिक दक्षता परीक्षण अर्हित करना अपेक्षित होगा:-

(क) वि.अ.आ. विनियमन के उपबंधों के अध्यधीन रहते हुए समस्त अभ्यर्थियों, जिनसे शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण करवाना अपेक्षित है, को ऐसे परीक्षण करवाने से पूर्व यह प्रमाणित करते हुए कि वह चिकित्सीय रूप से उपयुक्त है एक चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

(ख) उपरोक्त उप-खंड (क) में उल्लिखित ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थियों से निम्नलिखित मानकों के अनुसार शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण करवाना अपेक्षित होगा:-

पुरुषों के लिए मानक			
12 मिनट की दौड़/पद चाल परीक्षण			
30 वर्ष की आयु तक	40 वर्ष की आयु तक	45 वर्ष की आयु तक	50 वर्ष की आयु तक
1800 मीटर	1500 मीटर	1200 मीटर	800 मीटर
महिलाओं के लिए मानक			
8 मिनट की दौड़/पद चाल परीक्षण			
30 वर्ष की आयु तक	40 वर्ष की आयु तक	45 वर्ष की आयु तक	50 वर्ष की आयु तक
1000 मीटर	800 मीटर	600 मीटर	400 मीटर

18. अनियमित या अनुचित साधनों का प्रयोग.- कोई अभ्यर्थी, जो प्रतिरूपण करने का या बनावटी दस्तावेज या दस्तावेज जिनमें गड़बड़ की गयी है, प्रस्तुत करने का या ऐसे कथन करने का जो सही नहीं हैं या मिथ्या हैं या महत्वपूर्ण सूचना छिपाने का या परीक्षा या साक्षात्कार में अनुचित साधनों के प्रयोग करने या उनका प्रयोग करने के प्रयास करने या परीक्षा में प्रवेश पाने या साक्षात्कार के लिए किसी भी प्रकार के अन्य अनियमित या अनुचित साधन, जो भी हों, काम में लेने का दोषी

है या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया है तो वह दाण्डिक कार्यवाही किये जाने का दायी होने के अतिरिक्त, -

(क) अभ्यर्थियों के चयन हेतु आयोग द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में प्रवेश पाने या किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से आयोग द्वारा; और

(ख) सरकार के अधीन नियोजन से सरकार द्वारा,

या तो स्थायी तौर पर या किसी विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए विवर्जित किया जा सकेगा।

19. संयाचना.- नियमों के अधीन अपेक्षित से अन्यथा, सीधी भर्ती के लिए किसी प्रकार की लिखित या मौखिक सिफारिश पर विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी द्वारा अपनी अभ्यर्थिता हेतु समर्थन प्राप्त करने के लिए किसी भी तरीके से किया गया प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रयत्न उसे भर्ती के लिए निरहित कर सकेगा।

भाग 4

सीधी भर्ती के लिए प्रक्रिया

20. आवेदन आमंत्रित करना.- सेवा में के पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आयोग द्वारा, भरी जाने वाली रिक्तियों को राजपत्र में या ऐसी अन्य रीति से, जो उनके द्वारा ठीक समझी जाये, विज्ञापित करके, आमंत्रित किये जायेंगे। विज्ञापन में यह खण्ड होगा कि ऐसे किसी अभ्यर्थी को, जो उसे प्रस्तावित किये जा रहे पद का कर्तव्यभार स्वीकार करता है, परिवीक्षा की कालावधि के दौरान, राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर नियत दर से मासिक नियत पारिश्रमिक संदत्त किया जायेगा और विज्ञापन में अन्यत्र यथादर्शित पद के वेतन मैट्रिक्स के शैक्षणिक लेवल में वेतन, इन नियमों में उल्लिखित परिवीक्षा की कालावधि सफलतापूर्वक पूर्ण करने की तारीख से ही अनुज्ञात किया जायेगा:

परन्तु इस प्रकार विज्ञापित रिक्तियों के लिए अभ्यर्थियों का चयन करते समय आयोग, यदि विज्ञापित रिक्तियों के 50 प्रतिशत से अनधिक की अतिरिक्त आवश्यकता की सूचना उन्हें चयन से पूर्व प्राप्त हो जाये तो ऐसी अतिरिक्त आवश्यकता की पूर्ति के लिए उपयुक्त व्यक्तियों का चयन भी कर सकेगा।

21. सीधी भर्ती की आवृत्ति.- अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट पद पर सीधी भर्ती वर्ष में कम से कम एक बार आयोजित की जायेगी जब तक सरकार यह विनिश्चय न करे कि किसी वर्ष-विशेष में इन पदों में से किसी पर सीधी भर्ती आयोजित नहीं की जायेगी।

22. आवेदन का प्ररूप.- आवेदन, आयोग द्वारा विहित प्ररूप में किया जायेगा और उसे आयोग के कार्यालय से ऐसी फीस का संदाय करके, जो आयोग द्वारा समय-समय पर नियत की जाये, प्राप्त किया जा सकेगा।

23. आवेदन फीस.- सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती का कोई अभ्यर्थी आयोग द्वारा नियत फीस का, ऐसी रीति से, जो उनके द्वारा उपदर्शित की जाये, संदाय करेगा।

24. आवेदनों की संवीक्षा और परीक्षाएं.- (1) आयोग द्वारा प्राप्त आवेदन जो अपूर्ण पाये जायें उनके द्वारा अस्वीकार किये जायेंगे। परीक्षा में उपस्थित होने से पूर्व, अभ्यर्थी द्वारा स्वयं यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वह इन नियमों में यथा-उपबन्धित आयु, शैक्षिक अर्हताएं, अनुभव, यदि कोई हो, आदि के संबंध में शर्तें पूर्ण करता/करती है। परीक्षा देने के लिए अनुज्ञात किया जाना अभ्यर्थी को पात्रता की उपधारणा का हकदार नहीं बनायेगा। आयोग बाद में केवल ऐसे अभ्यर्थियों के आवेदनों की संवीक्षा करेगा जो लिखित परीक्षा में अर्हित हों और केवल पात्र अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलायेगा।

(2) अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में उपस्थित होना होगा और उन अभ्यर्थियों को, जिन्होंने ऐसे अंक प्राप्त किये हैं जो आयोग द्वारा स्वविवेकानुसार नियत किये जायें, आयोग द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा। आयोग द्वारा बुलाए गए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा। साक्षात्कार के लिए अंकों का आबंटन, चयन के प्रयोजन के लिए ध्यान में रखे गये कुल अंकों के 10% से अधिक नहीं होगा।

(3) किसी अभ्यर्थी की पात्रता या अन्यथा के संबंध में आयोग का विनिश्चय अंतिम होगा।

25. परीक्षा की स्कीम और पाठ्य विवरण.- (1) आयोग द्वारा, सेवा में के पद पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा, अनुसूची-II और अनुसूची-III में विनिर्दिष्ट परीक्षा की स्कीम और पाठ्य विवरण के अनुसार संचालित की जायेंगी।

(2) आयोग किसी ऐसे अभ्यर्थी की सिफारिश नहीं करेगा जो किसी भी लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में उपस्थित होने में विफल हो गया है।

26. आयोग की सिफारिशें.- आयोग ऐसे अभ्यर्थियों की, जिन्हें वह संबंधित पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त अभ्यर्थियों की सूची परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्तांकों के आधार पर तैयार करेगा और योग्यताक्रम में व्यवस्थित कर उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रेषित करेगा:

परन्तु आयोग विज्ञापित रिक्तियों की 50 प्रतिशत की सीमा तक, उपयुक्त अभ्यर्थियों के नाम भी आरक्षित सूची में रख सकेगा। अध्यपेक्षा किये जाने पर, आयोग ऐसे नामों की योग्यताक्रम में सिफारिश, उस तारीख से, जिसको मूल सूची आयोग द्वारा नियुक्ती प्राधिकारी को अग्रेषित की गयी है, से छह मास के भीतर-भीतर, नियुक्ती प्राधिकारी को कर सकेगा।

27. नियुक्ति के लिए निरर्हता.- (1) कोई भी अभ्यर्थी, जिसके एक से अधिक पति/पत्नी जीवित हैं, सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा जब तक कि सरकार यह समाधान कर लेने के पश्चात् कि ऐसा करने के लिए वैयक्तिक विधि के अधीन विशेष आधार अनुज्ञेय हैं, किसी अभ्यर्थी को इस नियम के प्रवर्तन से छूट न दे दे।

(2) कोई भी अभ्यर्थी, जिसका विवाह ऐसे व्यक्ति से हुआ हो जिसके पहले से ही कोई पति/पत्नी जीवित है, सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा जब तक कि सरकार, यह समाधान कर लेने के पश्चात् कि ऐसा करने के लिए विशेष आधार हैं, किसी अभ्यर्थी को इस नियम के प्रवर्तन से छूट न दे दे।

(3) कोई भी विवाहित अभ्यर्थी सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा/होगी यदि उसने अपने विवाह के समय कोई दहेज स्वीकार किया था।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोजन के लिए 'दहेज' का वही अर्थ है जो दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 (1961 का केन्द्रीय अधिनियम सं. 28) में दिया गया है।

(4) कोई भी अभ्यर्थी, जिसके 01.06.2002 को या उसके पश्चात् दो से अधिक संतानें हों, सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा:

परन्तु, -

- (i) दो से अधिक संतानों वाला अभ्यर्थी तब तक नियुक्ति के लिए निरहित नहीं समझा जायेगा जब तक उसकी संतानों की उस संख्या में, जो 1 जून, 2002 को है, बढ़ोतरी नहीं हो जाती है;
- (ii) जहां किसी अभ्यर्थी के पूर्वतर प्रसव से एक ही संतान है किन्तु पश्चात्पूर्वी किसी एकल प्रसव से एक से अधिक संतानें पैदा हो जाती हैं वहां संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय इस प्रकार पैदा हुई संतानों को एक इकाई समझा जायेगा;
- (iii) किसी अभ्यर्थी की संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय ऐसी संतान को नहीं गिना जायेगा जो पूर्व के प्रसव से पैदा हुई हो और निःशक्तता से ग्रस्त हो;
- (iv) ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसने पुनर्विवाह किया है जो किसी विधि के विरुद्ध नहीं है और वह ऐसे पुनर्विवाह से पूर्व इस उप-नियम के अधीन नियुक्ति के लिए निरहित नहीं है तो उसे निरहित नहीं किया जायेगा यदि ऐसे पुनर्विवाह से एकल प्रसव द्वारा किसी संतान का जन्म हुआ हो।

28. नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा चयन.- नियुक्ति प्राधिकारी, नियम 7, 8, 9 और 10 के उपबन्धों के अध्याधीन रहते हुए नियम 26 के अधीन तैयार की गयी सूची में, योग्यता क्रम में, अभ्यर्थियों का चयन करेगा:

परन्तु किसी अभ्यर्थी का नाम सूची में सम्मिलित हो जाने मात्र से ही उसे नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं हो जाता जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी का, ऐसी जांच के पश्चात् जो वह आवश्यक समझे, यह समाधान न हो जाये कि ऐसा अभ्यर्थी संबंधित पद पर नियुक्ति के लिए अन्य सभी प्रकार से उपयुक्त है।

भाग 5

पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के पद पर पदोन्नति, पात्रता और प्रक्रिया

29. पदोन्नति के लिए कसौटी, पात्रता और प्रक्रिया.- (1) पदोन्नति के लिए पात्रता और प्रक्रिया.-

- (i) निदेशक/आयुक्त, महाविद्यालय शिक्षा द्वारा प्रत्येक वर्ष के लिए ऐसे पात्र अभ्यर्थियों, जो विनियमों में यथा अधिकथित पदोन्नति का मानदण्ड पूर्ण करते हों, के निर्धारण के लिए एक सूची

तैयार की जायेगी। निर्धारण, नीचे दिये गये उप-नियम (3) के अधीन गठित की गयी समिति द्वारा किया जायेगा।

(ii) समय-समय पर यथा संशोधित विनियमों में यथाविनिर्दिष्ट, कैरियर उन्नति स्कीम के लिए निर्धारण मानदण्ड और कार्यविधि, लागू होगी।

(iii) वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्टें और पदोन्नतियों से संबंधित कार्मिक विभाग द्वारा यथाविहित समय-समय पर यथा संशोधित, मानक भी समिति द्वारा निर्धारण के लिए लागू होंगी।

(iv) किसी व्यक्ति पर पदोन्नति के लिए विचार नहीं किया जायेगा जब तक कि वह इन नियमों के अधीन नियमित रूप से चयनित नहीं हो।

(v) सेवा के उन सदस्यों को, जो 30.09.2021 तक, राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत वि.अ.आ. विनियमन 2010 के अधीन पहले से ही अर्हित हैं, को किसी भी कठिनाई से बचाने हेतु, राज्य सरकार द्वारा यथा अंगीकृत वि.अ.आ. विनियमन 2010 के अधीन अगले उच्चतर शैक्षणिक स्तर पर पदोन्नतियों के लिए विचार किए जाने हेतु विकल्प दिया जा सकेगा। इन नियमों के जारी होने की तारीख से तीन मास के भीतर-भीतर विकल्प का प्रयोग किया जा सकेगा।

(2) सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया में, विभिन्न सुसंगत मानदण्डों में अभ्यर्थी के कार्य को दी गयी अधिमानता और विहित प्रोफार्मा पर ग्रेडिंग प्रणाली में उसके प्रदर्शन पर आधारित, आवेदकों की योग्यताओं और प्रत्यय पत्रों के विश्लेषण का पारदर्शी, उद्देश्यपूर्ण और विश्वसनीय कार्यविधि सम्मिलित होगी।

(3) **निर्धारण.-** किसी भी पुस्तकालयाध्यक्ष और शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक को विहित वेतनमान में निर्धारण के प्रक्रम को पार करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जायेगा जब तक कि कोई निर्धारण निम्नलिखित से मिलकर बनी समिति द्वारा न किया गया हो,-

- | | | |
|-------|--|---------|
| (i) | आयोग का अध्यक्ष या उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट -
उसका कोई सदस्य | अध्यक्ष |
| (ii) | अतिरिक्त मुख्य सचिव/ प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग | सदस्य |
| (iii) | कार्मिक विभाग का प्रमुख शासन सचिव/ शासन सचिव या उसका कोई नामनिर्देशित जो उप शासन सचिव से अनिम्न रैंक का हो | सदस्य |
| (iv) | उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामनिर्दिष्ट दो विषय विशेषज्ञ | सदस्य |
| (v) | उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामनिर्दिष्ट, अनु.जा./अ.जन.जा./अति पिछड़े वर्ग/पिछड़े वर्ग/अल्पसंख्यक/महिला/ बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के प्रवर्गों में का कोई शिक्षाविद्, यदि विनियमों के अनुसार अपेक्षित | सदस्य |

हो

(vi) आयुक्त/निदेशक, महाविद्यालय शिक्षा, - सदस्य-सचिव
राजस्थान

(4) सूचियों में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों के साथ जो चयनित नहीं हुए हैं, यदि कोई हों, उनके भी ब्यौरों सहित समिति द्वारा तैयार की गई सूचियां, नियुक्ति प्राधिकारी को भेजी जायेंगी।

(5) किसी भी व्यक्ति पर, उस तारीख से जिसको उसकी पदोन्नति देय हो जाती है, तीन भर्ती वर्षों के लिए विचार नहीं किया जायेगा, यदि 1 जून, 2002 को या उसके पश्चात् उसके दो से अधिक संतानें हों: परन्तु, -

- (i) दो से अधिक संतानों वाला अभ्यर्थी तब तक नियुक्ति के लिए निरर्हित नहीं समझा जायेगा जब तक उसकी संतानों की उस संख्या में, जो 1 जून, 2002 को है, बढ़ोतरी नहीं हो जाती है;
- (ii) जहां किसी अभ्यर्थी के पूर्वतर प्रसव से एक ही संतान है किन्तु पश्चात्पूर्वी किसी एकल प्रसव से एक से अधिक संतानें पैदा हो जाती हैं वहां संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय इस प्रकार पैदा हुई संतानों को एक इकाई समझा जायेगा;
- (iii) किसी अभ्यर्थी की संतानों की कुल संख्या की गणना करते समय ऐसी संतान को नहीं गिना जायेगा जो पूर्व के प्रसव से पैदा हुई हो और निःशक्तता से ग्रस्त हो;
- (iv) ऐसा कोई अभ्यर्थी जिसने पुनर्विवाह किया है जो किसी विधि के विरुद्ध नहीं है और वह ऐसे पुनर्विवाह से पूर्व इस उप-नियम के अधीन नियुक्ति के लिए निरर्हित नहीं है तो उसे निरर्हित नहीं किया जायेगा यदि ऐसे पुनर्विवाह से एकल प्रसव द्वारा किसी संतान का जन्म हुआ हो।

(6) समस्त महाविद्यालयों में, वि.अ.आ./राष्ट्रीय निर्धारण प्रत्यायन परिषद् (एनएएसी) मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार अध्यक्ष के रूप में प्राचार्य सहित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सैल (आईक्यूएसी) स्थापित किया जायेगा। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सैल (आईक्यूएसी), निर्धारण मानदण्ड और कार्यविधि प्रोफार्मा के विकास में सहायता सहित संस्था के लिए एक दस्तावेजीकरण और अभिलेखागार सैल के रूप में कार्य करेगा।

(7) ऐसा अभ्यर्थी जो कै.उ.स्की. के अधीन पदोन्नति के लिए विचार किये जाने का इच्छुक हो नियत तारीख से तीन मास के भीतर-भीतर अग्रिम तौर पर महाविद्यालय को लिखित में यह प्रस्तुत कर सकेगा कि वह कै.उ.स्की. के अधीन समस्त अपेक्षाएं पूर्ण करता है और महाविद्यालय को अपेक्षित प्रोफार्मा में निर्धारण मानदंड और कार्य विधि प्रस्तुत करेगा।

(8) सरकार, ऐसे व्यक्तियों की पदोन्नतियों के साथ साम्यपूर्ण और सही रीति से अनंतिम रूप से निपटने के लिए, जो निलम्बनाधीन हों या जिनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही चल रही हो, किसी ऐसे

पद पर पदोन्नतियों पर विचार करते समय, जिसके लिए वे पात्र हैं या पात्र होते यदि ऐसा निलंबन या ऐसी जांच या कार्यवाहियां लंबित नहीं होती, अनुदेश जारी कर सकेगी।

(9) इन नियमों के किसी भी उपबंध में अंतर्विष्ट किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी इस नियम के उपबंध प्रभावी होंगे।

भाग 6

नियुक्ति, परीक्षा और स्थायीकरण

30. सेवा में नियुक्ति.- सेवा में के पद पर नियुक्ति,-

(क) सीधी भर्ती द्वारा, नियत पारिश्रमिक पर, परीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी के रूप में, अधिष्ठायी रिक्तियां होने पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा नियम 26 के अधीन चयनित अभ्यर्थियों में से योग्यता क्रम में की जायेगी; और

(ख) नियम 29 के अधीन चयनित व्यक्तियों में से पदोन्नति द्वारा।

31. अर्जेंट अस्थायी नियुक्ति.- (1) सेवा में की ऐसी रिक्ति को, जिसे नियमों के अधीन सीधी भर्ती या पदोन्नति द्वारा तुरन्त नहीं भरा जा सकता हो, सरकार या, यथास्थिति, नियुक्ति करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा उस पद पर किसी ऐसे अधिकारी की, जो उस पद पर पदोन्नति द्वारा नियुक्ति का पात्र हो, स्थानापन्न हैसियत में नियुक्ति करके या ऐसे किसी व्यक्ति को, जो सेवा में सीधी भर्ती के लिए पात्र हो, जब ऐसी सीधी भर्ती इन नियमों के उपबंधों के अधीन उपबंधित हो, अस्थायी रूप से नियुक्त करके, भरा जा सकेगा:

परन्तु,-

(i) ऐसी कोई नियुक्ति आयोग को उसकी सहमति के लिए, निर्दिष्ट किये बिना एक वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए जारी नहीं रखी जायेगी और उसके द्वारा सहमति देने से इनकार करने पर तुरन्त समाप्त कर दी जायेगी:

(ii) सेवा में के ऐसे किसी पद के संबंध में, जिसके लिए भर्ती की दोनों रीतियां विहित हों, नियुक्ति करने के लिए सक्षम प्राधिकारी, सरकार के कार्मिक विभाग की विनिर्दिष्ट अनुमति के बिना, सीधी भर्ती के कोटे की किसी अस्थायी रिक्ति को पूर्णकालिक नियुक्ति द्वारा, उस स्थिति के सिवाय जबकि ऐसी अस्थायी रिक्ति अल्पकालिक विज्ञापन के पश्चात् तथा सीधी भर्ती के लिए पात्र व्यक्तियों में से भरी जाये, तीन मास से अधिक की कालावधि के लिए नहीं भरेगा।

(2) पदोन्नति के लिए पात्रता की अपेक्षाएं पूरी करने वाले उपयुक्त व्यक्तियों के उपलब्ध न होने की दशा में, सरकार उपर्युक्त उप-नियम (1) के अधीन पदोन्नति के लिए अपेक्षित पात्रता की शर्त होते हुए भी, वेतन और अन्य भत्तों के संबंध में ऐसी शर्त तथा निर्बंधनों के अध्यक्षीन रहते हुए, जो वह निर्दिष्ट करे, अर्जेंट अस्थायी आधार पर रिक्तियां भरने की अनुज्ञा प्रदान करने के लिए सामान्य अनुदेश अधिकथित कर सकेगी। तथापि, ऐसी नियुक्तियां, उपरोक्त उप-नियम (1) के अधीन यथा अपेक्षित, आयोग की सहमति के अध्यक्षीन होंगी।

32. वरिष्ठता.- सेवा में के संवर्ग में सम्मिलित पद पर नियुक्त व्यक्तियों की वरिष्ठता, इन नियमों के उपबंधों के अनुसार नियमित चयन के पश्चात् पद पर नियुक्ति की तारीख से अवधारित की जायेगी। तदर्थ या अर्जेंट अस्थायी आधार पर नियुक्ति, नियमित चयन के पश्चात् की नियुक्ति नहीं समझी जायेगी:

परन्तु, -

- (i) इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व नियुक्त सेवा के सदस्य की पारस्परिक वरिष्ठता ऐसी होगी जो पहले से अवधारित की गई हो या इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात्, सरकार द्वारा नियमों या प्रवृत्त आदेशों के अनुसार अवधारित, संशोधित या उपान्तरित की जाये; और
- (ii) किसी प्रवर्ग-विशेष में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा एक ही चयन के आधार पर नियुक्त व्यक्तियों की पारस्परिक वरिष्ठता, ऐसे व्यक्तियों को छोड़कर जिनसे किसी पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव किया गया हो किन्तु जिन्होंने आदेश जारी होने की तारीख से छह सप्ताह की कालावधि या उससे अधिक, यदि नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा बढ़ायी जाये, के भीतर-भीतर सेवाग्रहण न की हो, उसी क्रम में रहेगी, जिस क्रम में उन्हें नियम 26 के अधीन तैयार की गयी सूची में रखा गया है ;

33. परिवीक्षा की कालावधि.- (1) किसी स्पष्ट रिक्ति के प्रति सीधी भर्ती द्वारा सेवा में प्रवेश करने वाले व्यक्ति को दो वर्ष की कालावधि के लिए परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी के रूप में रखा जायेगा:

परन्तु ऐसी नियुक्ति के पश्चात् की वह कालावधि, जिसके दौरान किसी व्यक्ति को तत्समान या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर रखा गया हो, परिवीक्षाकाल में गिनी जायेगी।

(2) उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की कालावधि के दौरान प्रत्येक परिवीक्षाधीन व्यक्ति से ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने और ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करने की, जो सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे, अपेक्षा की जा सकेगी।

34. कतिपय मामलों में स्थायीकरण.- (1) पूर्ववर्ती नियम में अन्तर्विष्ट किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, सेवा में किसी पद पर परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी के रूप में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त हुए किसी व्यक्ति को, इन नियमों के अधीन दो वर्ष की किसी कालावधि के लिए परिवीक्षा के संतोषप्रद रूप से पूर्ण होने पर छह मास में स्थायी नहीं किया गया हो तो वह अपनी वरिष्ठता के अनुसार स्थायी माने जाने का हकदार होगा/होगी यदि,-

- (i) उसने एक ही नियुक्ति प्राधिकारी के अधीन उस पद पर या उच्चतर पद पर कार्य किया हो या इस प्रकार कार्य करता यदि वह प्रतिनियुक्ति या प्रशिक्षण पर नहीं होता;
- (ii) वह इन नियमों के अधीन विहित कोटा के अध्यधीन रहते हुए, स्थायीकरण से संबंधित नियम के अधीन विहित शर्तें पूरी करता/करती हो; और
- (iii) वह किसी अधिष्ठायी रिक्ति के विरुद्ध नियुक्त किया गया हो।

(2) उपर्युक्त उप-नियम (1) में निर्दिष्ट कोई कर्मचारी यदि उक्त उप-नियम में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने में असफल रहता है तो उपर्युक्त उप-नियम(1) में उल्लिखित कालावधि को राजस्थान सिविल सेवा (विभागीय परीक्षा) नियम, 1959 और अन्य किन्हीं नियमों के अधीन परीक्षा के लिए यथाविहित कालावधि तक या एक वर्ष तक, जो भी अधिक हो, बढ़ाया जा सकेगा। यदि वह कर्मचारी फिर भी उपर्युक्त उप-नियम (1) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने में असफल रहता है तो वह ऐसे पद से उसी रीति से सेवोन्मुक्त किये या हटाये जाने का दायी होगा जिस रीति से किसी परीक्षाधीन को सेवोन्मुक्त किया या हटाया जाता है या वह उस अधिष्ठायी या निम्नतर पद पर, यदि कोई हो, जिसके लिए वह हकदार हो, पदावनत किये जाने का दायी होगा।

(3) उपर्युक्त उप-नियम (1) में निर्दिष्ट कर्मचारी को उक्त सेवाकाल के पश्चात् स्थायीकरण से विवर्जित नहीं किया जायेगा यदि उसके द्वारा समाधानप्रद रूप से कार्य करने के प्रतिकूल कोई कारण उसे उक्त सेवा अवधि के दौरान संसूचित न किया गया हो।

(4) उपर्युक्त उप-नियम (1) में निर्दिष्ट किसी कर्मचारी को स्थायी न करने के कारणों को नियुक्ति प्राधिकारी उसकी सेवा पुस्तिका और वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में अभिलिखित करेगा।

स्पष्टीकरण: (i) इस नियम के प्रयोजन के लिए नियमित भर्ती से अभिप्रेत है -

(क) भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार भर्ती की किसी भी रीति द्वारा या सेवा के प्रारम्भिक गठन के समय की गयी नियुक्ति;

(ख) उस पद पर नियुक्ति, जिसके लिए कोई सेवा नियम विद्यमान न हो, यदि पद आयोग के अधिकार क्षेत्र के भीतर हो तो उनके परामर्श से भर्ती;

(ग) नियमित भर्ती के पश्चात् स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति, जहां सेवा नियम इसके लिए विनिर्दिष्ट रूप से अनुज्ञात करते हैं; और

(घ) ऐसे व्यक्ति, जिन्हें इन नियमों के अधीन किसी पद पर अधिष्ठायी नियुक्ति के लिए पात्र बनाया गया हो, नियमित रूप से भर्ती किये हुए समझे जायेंगे:

परन्तु इसमें ऐसी अर्जेंट अस्थायी नियुक्ति या स्थानापन्न पदोन्नति सम्मिलित नहीं होगी जो पुनर्विलोकन तथा पुनरीक्षण के अधीन हो।

(ii) किसी अन्य संवर्ग में धारणाधिकार रखने वाले व्यक्ति इस नियम के अधीन स्थायीकरण किये जाने के पात्र होंगे और वे इस विकल्प का प्रयोग करने के भी पात्र होंगे कि वे अपनी अस्थायी नियुक्ति के दो वर्ष समाप्त होने पर इस नियम के अधीन स्थायीकरण नहीं चाहते। इसके प्रतिकूल कोई भी विकल्प प्राप्त न होने पर यह समझा जायेगा कि उन्होंने इस नियम के अधीन स्थायीकरण के पक्ष में अपना विकल्प दे दिया है और पूर्व पद पर उनका धारणाधिकार समाप्त हो जायेगा।

35. परीक्षाकाल के दौरान असंतोषप्रद प्रगति.- यदि नियुक्ति प्राधिकारी को परीक्षाकाल के दौरान या उसकी समाप्ति पर, किसी भी समय, यह प्रतीत हो कि किसी परीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी की

सेवाएं संतोषप्रद नहीं पायी गयी हैं तो नियुक्ति प्राधिकारी उसे, उस पद पर पदावनत कर सकेगा जिस पर उसका, परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी के रूप से उसकी नियुक्ति के ठीक पूर्व, नियमित रूप से चयन किया गया हो या अन्य मामलों में उसे सेवोन्मुक्त कर सकेगा या उसकी सेवा समाप्त कर सकेगा। नियुक्ति प्राधिकारी इस संबंध में अंतिम आदेश पारित करने से पूर्व परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी को समुचित अवसर प्रदान करेगा:

परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी, किसी भी मामले में या मामलों के किसी वर्ग में, यदि उचित समझे तो किसी परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी के परिवीक्षाकाल को एक वर्ष से अनधिक की विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए बढ़ा सकेगा।

36. स्थायीकरण.- कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति, परिवीक्षाकाल की समाप्ति पर नियुक्ति में स्थायी कर दिया जायेगा, यदि, -

- (क) उसने विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और ऐसा प्रशिक्षण, सफलतापूर्वक पूरा कर लिया हो जैसा कि सरकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे;
- (ख) उसने हिन्दी में प्रवीणता संबंधी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो; और
- (ग) सरकार का यह समाधान हो जाये कि उसकी सत्यनिष्ठा शंकास्पद नहीं है और यह कि वह स्थायीकरण के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

भाग 7

वेतन

37. वेतनमान.- सेवा में के किसी पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति का वेतन (वेतन मैट्रिक्स में शैक्षणिक स्तर या समय-समय पर यथा संशोधित), वह होगा जो नियम 39 में निर्दिष्ट नियमों के अधीन अनुज्ञेय हो या जो सरकार द्वारा समय-समय पर स्वीकृत किया जाये।

38. परिवीक्षा के दौरान वेतन.- सीधी भर्ती द्वारा सेवा में नियुक्त किसी परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी को, परिवीक्षाकाल के दौरान ऐसी दर से मासिक नियत पारिश्रमिक संदत्त किया जायेगा जो सरकार द्वारा समय-समय पर नियत किया जाये:

परन्तु सरकारी सेवा में भर्ती नियमों के उपबंधों के अनुसार नियमित रूप से चयनित किसी कर्मचारी को परिवीक्षाधीन-प्रशिक्षणार्थी के रूप में सेवा के दौरान पद के वेतन मैट्रिक्स में विद्यमान लेवल में उसके स्वयं के वेतन मैट्रिक्स में परिलब्धियां या नये पद का नियत पारिश्रमिक, जो भी उसके लिए राजस्थान सेवा नियम, 1951 के नियम 24 के उपबंधों के अनुसार लाभप्रद हो, अनुज्ञात किया जा सकेगा।

39. वेतन, छुट्टी, भत्ते, पेंशन, आदि का विनियमन.- इन नियमों में यथा-उपबंधित के सिवाय, सेवा के सदस्यों का वेतन, भत्ते, पेंशन, छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तें निम्नलिखित द्वारा विनियमित होंगी:-

- (i) राजस्थान सेवा नियम, 1951, समय-समय पर यथा-संशोधित;

- (ii) राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1958, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (iii) राजस्थान यात्रा भत्ता नियम, 1971, समय-समय पर यथा-संशोधित ;
- (iv) राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (v) राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (vi) राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतनमान) नियम, 1998, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (vii) राजस्थान सिविल सेवा (अंशदायी पेंशन) नियम, 2005, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (viii) राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2008, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (ix) राजस्थान सिविल सेवा (पुस्तकालयाध्यक्षों और शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशकों सहित राजकीय महाविद्यालय अध्यापकों के लिए पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2009, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (x) राजस्थान सिविल सेवा (पुस्तकालयाध्यक्षों और शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशकों सहित राजकीय महाविद्यालय अध्यापकों के लिए पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2018, समय-समय पर यथा-संशोधित;
- (xii) भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन समुचित प्राधिकारी द्वारा बनाये गये, सेवा की सामान्य शर्तें विहित करने वाले कोई अन्य नियम, समय-समय पर यथा-संशोधित।

40. शंकाओं का निराकरण.- यदि इन नियमों के लागू होने, निर्वचन और व्याप्ति के बारे में कोई शंका उत्पन्न हो तो मामला सरकार के कार्मिक विभाग को निर्दिष्ट किया जायेगा जिसका उस पर विनिश्चय अंतिम होगा।

41. निरसन और व्यावृत्ति.- राजस्थान पुस्तकालयाध्यक्ष और शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम, 1980 और इन नियमों के अंतर्गत आने वाले मामलों के संबंध में जारी किये गये, इन नियमों के प्रारम्भ से ठीक पूर्व प्रवृत्त हुए समस्त आदेश इसके द्वारा निरसित किये जाते हैं:

परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों और आदेशों के अधीन की गयी कोई भी कार्यवाई इन नियमों के उपबंधों के अधीन की गयी समझी जायेगी।

42. नियमों के शिथिलीकरण की शक्ति.- अपवाद सापेक्ष मामलों में जहां सरकार के प्रशासनिक विभाग का यह समाधान हो जाये कि भर्ती के लिए आयु के संबंध में किसी विशिष्ट मामले में नियमों के प्रवर्तन से अनावश्यक कठिनाई होती है या जहां सरकार की यह राय हो कि किसी व्यक्ति की आयु के संबंध में इन नियमों के किन्हीं उपबंधों को शिथिल करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह कार्मिक विभाग की सहमति तथा आयोग के परामर्श से, जहां आवश्यक हो, आदेश प्रसारित करके इन नियमों के सुसंगत उपबंधों से, ऐसी सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो किसी मामले को न्यायोचित एवं साम्यापूर्ण रीति से निपटाने के लिए आवश्यक माने जायें, अभिमुक्त या शिथिल कर सकेगी:

परन्तु ऐसा शिथिलीकरण इन नियमों में पूर्व में अन्तर्विष्ट उपबंधों से कम अनुकूल नहीं होगा। शिथिलीकरण के ऐसे मामले संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा आयोग को निर्दिष्ट किये जायेंगे।

43. रिक्त पद पर भर्ती और कार्यभार के लिए विशेष उपबंध.- (1) अधिवार्षिकी, मृत्यु, नये महाविद्यालय में पदों का सृजन या किसी अन्य कारण से संवर्ग में की कोई रिक्ति, केवल पुस्तकालयाध्यक्ष/शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के पद पर सीधी भर्ती द्वारा भरी जायेगी और ऐसा पद जो पदोन्नति के पश्चात् रिक्त हो गया है सीधी भर्ती द्वारा नहीं भरा जायेगा।

(2) पुस्तकालयाध्यक्ष/शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक का कार्यभार सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित मानकों के अनुसार होगा।

अनुसूची-1
पुस्तकालयाध्यक्ष विंग

क्र. सं.	पद का नाम	भर्ती की रीति प्रतिशत सहित	सीधी भर्ती के लिए न्यूनतम अर्हता और अनुभव	पद जिससे पदोन्नति/ चयन किया जाना है	पदोन्नति के लिए न्यूनतम अर्हता और अनुभव	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5	6	7
1.	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 13क)	कै.उ.स्की. के अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा	-	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 12)	<ol style="list-style-type: none"> उसने स्तंभ संख्यांक 5 में उल्लिखित पद पर तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो। उसने विगत तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित में से कोई एक किया हो; <ol style="list-style-type: none"> स्वचालन और डिजिटलीकरण पर प्रशिक्षण/सेमीनार/कार्यशाला/ पाठ्यक्रम, (ii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि का अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथा विनिर्दिष्ट रखरखाव और संबंधित कार्यकलाप, (iii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि के प्रत्येक एकल पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के स्थान पर कम से कम एक सप्ताह (पांच दिवस) की अवधि के दो पाठ्यक्रम पूर्ण किये 	-

					<p>हो, (iv) सुसंगत विषय में एक एमओओसी पाठ्यक्रम (ई-प्रमाणीकरण सहित) किया हो/विकासात्मक रूप से किया हो, और (v) पुस्तकालय उन्नयन पाठ्यक्रम; और उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत तीन वर्षों में से कम से कम दो के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदनों में 'संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।</p>	
2.	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 12)	कै.उ.स्की. के अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा	-	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 11)	<ol style="list-style-type: none"> 1. उसने स्तंभ संख्यांक 5 में उल्लिखित पद पर पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो। 2. उसने विगत पांच वर्षों के दौरान निम्नलिखित में से कोई दो किये हों; (i) स्वचालन और डिजिटलीकरण पर प्रशिक्षण/सेमीनार/कार्यशाला/ पाठ्यक्रम, (ii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि का अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथा विनिर्दिष्ट रखरखाव और अन्य कार्यकलाप, (कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि के प्रत्येक एकल पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के स्थान पर कम से कम एक सप्ताह (पांच दिवस) की अवधि के दो पाठ्यक्रम पूर्ण किये 	

					<p>हो) (iii) सुसंगत विषय में एक एमओओसी पाठ्यक्रम (ई-प्रमाणीकरण सहित) किया हो/ विकसित किया हो, और (iv) पुस्तकालय उन्नयन पाठ्यक्रम; और</p> <p>उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत पांच वर्षों में से कम से कम चार के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदनों में 'संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।</p>	
3	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 11)	कै.उ.स्की. के अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा	-	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 10)	<p>शैक्षणिक स्तर 10 में के किसी साधारण वेतनमान पुस्तकालयाध्यक्ष के पास पुस्तकालय विज्ञान/सूचना विज्ञान/दस्तावेजीकरण विज्ञान में यदि पीएच.डी. डिग्री या समतुल्य डिग्री हो तो चार वर्ष की सेवा अथवा कम से कम एम.फिल. डिग्री हो तो पांच वर्ष का अनुभव या जिनके पास कोई एम.फिल. या कोई पीएच.डी. डिग्री ना हो तो छह वर्ष की सेवा, पूर्ण कर ली हो।</p> <p>(i) 21 दिवस की अवधि के एक ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम में भाग लिया हो; और</p> <p>(ii) अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथाविनिर्दिष्ट स्वचालन और डिजिटलीकरण, रखरखाव और संबंधित कार्यकलापों में प्रशिक्षण, सेमीनार या कार्यशाला; और</p> <p>उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-1 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत चार/पाँच/छह वर्षों में से कम से कम तीन/चार/ या, यथास्थिति, पाँच वार्षिक कार्य मूल्यांकन</p>	

					प्रतिवेदनो में संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।	
4.	पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर 10)	100 % सीधी भर्ती द्वारा	<p>(i) कम से कम 55% अंकों (या जहां कहीं ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी गयी है, वहां पॉइंट स्केल में कोई समतुल्य ग्रेड) के साथ पुस्तकालय विज्ञान, सूचना विज्ञान या दस्तावेजीकरण विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री या कोई समतुल्य वृत्तिक डिग्री।</p> <p>(ii) किसी पुस्तकालय के कम्प्यूटरीकरण के ज्ञान के साथ सिलसिलेवार अच्छा शैक्षणिक अभिलेख।</p> <p>(iii) उपरोक्त अर्हताओं को पूर्ण करने के अतिरिक्त, अभ्यर्थी को वि.अ.आ., सी.एस.आई.आर द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या वि.अ.आ. द्वारा प्रत्यायित समान परीक्षा, जैसे स्लेट/सेट उत्तीर्ण होना चाहिए या जिनके पास, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमफिल/ पीएच.डी. उपाधि के न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 या, यथास्थिति, 2016 और समय-समय पर किये गये</p>	-	-	<p>सीधी भर्ती के लिए पात्रता और अच्छे शैक्षणिक अभिलेख पाने के प्रयोजन के लिए, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग(नॉन क्रीमीलेयर)/ अति पिछड़े वर्ग(अ.पि.व.) (नॉन-क्रीमीलेयर)/ निःशक्तजन (क) अंधता और अल्प दृष्टि ; (ख) बधिर और कम सुनने वाला; (ग) लोकोमोटर निःशक्तता जिसमें सेरेब्रल पाल्सी, ठीक हुआ कुष्ठ रोग, बौनापन, एसिड-अटैक पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास; (घ) ऑटिज्म, बौद्धिक निःशक्तता, विशिष्ट अध्यापन निःशक्तता और मानसिक बीमारी; (ड) बधिर-अंधता को सम्मिलित करते हुए</p>

		<p>उनके संशोधनों के अनुसार पीएच.डी. डिग्री हो या प्रदान की गयी हो;</p> <p>परन्तु 11 जुलाई, 2009 से पूर्व पीएच.डी. डिग्री के लिए रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी, उपाधि प्रदान करने वाली संस्थाओं के तत्समय विद्यमान अध्यादेशों/उप-विधियों/विनियमों के उपबंधों द्वारा शासित होंगे और ऐसे पीएच.डी. उपाधि वाले अभ्यर्थियों को सहायक आचार्य की भर्ती और नियुक्ति या विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थाओं में समतुल्य स्थितियों के लिए नेट/स्लेट/सेट की आवश्यकता से, निम्नलिखित शर्तों को पूर्ण करने के अध्यधीन रहते हुए छूट दी जायेगी:-</p> <p>(क) अभ्यर्थी को पीएच.डी. की उपाधि नियमित तरीके से प्रदान की गयी हो;</p> <p>(ख) पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया गया है;</p> <p>(ग) अभ्यर्थी की ओपन पीएच.डी. की मौखिक परीक्षा संचालित</p>			<p>(क) से (घ) के अधीन व्यक्तियों में से बहु-निःशक्तताओं , वाले अभ्यर्थियों के लिए स्नातक के साथ-साथ स्नातकोत्तर स्तर पर पाँच प्रतिशत का शिथिलीकरण अनुज्ञेय होगा। 55% अंक के पात्रता अंक (या किसी पॉइन्ट स्केल, जहाँ भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी जाती है, में कोई समतुल्य ग्रेड) और उपरोल्लिखित प्रवर्गों को 5% शिथिलीकरण, किसी अनुग्रह अंक प्रक्रिया को सम्मिलित किये बिना, केवल अर्हक अंकों के आधार पर अनुज्ञात होगा।</p>
--	--	--	--	--	---

			<p>की गयी हो;</p> <p>(घ) अभ्यर्थी ने उसके पीएच.डी. कार्य में से दो अनुसंधान पत्र प्रकाशित किये हों जिनमें से कम से कम एक संदर्भित जर्नल में हो;</p> <p>(ङ) अभ्यर्थी ने वि.अ.आ./आईसीएसएसआर/सीएसआईआर या किसी समान एजेंसी द्वारा प्रायोजित/वित्त पोषित/समर्थित सम्मेलनों/सेमिनारों/ में अपने पीएच.डी. कार्य के आधार पर कम से कम दो पत्र प्रस्तुत किये हों।</p> <p>टिप्पण:</p> <p>(i) इन शर्तों की पूर्ति, संबंधित विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार या संकायाध्यक्ष (अकादमिक मामले) द्वारा प्रमाणित की जानी है।</p> <p>(ii) ऐसे स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अभ्यर्थियों के लिए नेट/स्लेट/सेट अपेक्षित नहीं होगा जिनके लिए, वि.अ.आ., सीएसआईआर द्वारा नेट/स्लेट/सेट या वि.अ.आ. द्वारा प्रत्यायित समान परीक्षा जैसे स्लेट/सेट संचालित नहीं की जाती है;</p>		
शारीरिक शिक्षा और स्पोर्ट्स विंग					
1.	शारीरिक	कै.उ.स्की. के	-	शारीरिक	1. उसने स्तंभ संख्यांक 5 में

	प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 13क)	अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा		प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 12)	<p>उल्लिखित पद पर तीन वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो। 2. उसने विगत तीन वर्षों के दौरान निम्नलिखित में से कोई एक किया हो: (i) रीफ्रेशर पाठ्यक्रम, अनुसंधान कार्यविधि कार्यशाला के प्रवर्गों में से कम से कम एक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम पूर्ण किया हो, (ii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि (या कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि के प्रत्येक एकल पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के स्थान पर कम से कम एक सप्ताह (पाँच दिवस) की अवधि के दो पाठ्यक्रम पूर्ण किये हों) का अध्यापन- अध्ययन- मूल्यांकन प्रौद्योगिकी कार्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम; (iii) सुसंगत विषय में एमओओसी पाठ्यक्रम (ई-प्रमाणीकरण सहित) किया हो/ विकासात्मक रूप में किया हो; और</p> <p>उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-2 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत तीन वर्ष में से कम से कम दो के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में 'संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।</p>	-
2.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 12)	कै.उ.स्की. के अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा	-	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 11)	<p>1. उसने स्तंभ संख्यांक 5 में उल्लिखित पद पर पांच वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो। 2. उसने विगत पांच वर्षों के दौरान निम्नलिखित में से कोई दो किये हों: (i) रीफ्रेशर पाठ्यक्रम, अनुसंधान कार्यविधि कार्यशाला के प्रवर्गों में से कम से कम एक पाठ्यक्रम/कार्यक्रम पूर्ण किया हो, (ii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि का अध्यापन- अध्ययन- मूल्यांकन प्रौद्योगिकी कार्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम; (iii) कम से कम दो सप्ताह (दस दिवस) की अवधि के प्रत्येक एकल पाठ्यक्रम/कार्यक्रम के स्थान पर कम से कम एक सप्ताह (पाँच दिवस) की अवधि के दो पाठ्यक्रम पूर्ण किये हों</p>	-

					<p>(iv) सुसंगत विषय में एमओओसी पाठ्यक्रम (ई-प्रमाणीकरण सहित) किया हो/विकासात्मक रूप से किया हो; और</p> <p>उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-2 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत पांच वर्ष में से कम से कम चार के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में 'संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।</p>	
3.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 11)	कै.उ.स्की. के अधीन 100 % पदोन्नति द्वारा	-	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 10)	<p>1. उसने स्तंभ संख्यांक 5 में उल्लिखित पद पर, शारीरिक शिक्षा या शारीरिक शिक्षा एवं स्पोर्ट्स अथवा स्पोर्ट्स विज्ञान में पीएच.डी. डिग्री के साथ चार वर्ष की सेवा या एम.फिल. डिग्री के साथ पांच वर्ष की सेवा, जिनके पास एम.फिल. या पीएच.डी. डिग्री नहीं हैं छह वर्ष की सेवा पूर्ण की हो।</p> <p>2. 21 दिवस की अवधि के एक ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम में भाग लिया हो; और</p> <p>उसने निम्नलिखित में से कोई एक किया हो: (क) रिफ्रेशर/अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रम/कार्यशाला पूर्ण कर ली हो, (ख) कम से कम पांच दिवस की अवधि का प्रशिक्षण अध्यापन-अध्ययन-मूल्यांकन प्रौद्योगिकी कार्यक्रम/संकाय विकास कार्यक्रम, और (ग) सुसंगत विषय में एक एमओओसी पाठ्यक्रम (ई-प्रमाणीकरण सहित) किया हो/विकासात्मक रूप से किया हो; और</p> <p>उसने अनुसूची-1 के परिशिष्ट की सारणी-2 में यथाविनिर्दिष्ट निर्धारण कालावधि के विगत चार/पांच/छह वर्ष में से कम से कम तीन/चार या, यथास्थिति, पांच के वार्षिक कार्य मूल्यांकन</p>	-

					प्रतिवेदन में 'संतोषप्रद' या 'अच्छा' ग्रेड प्राप्त किया हो।	
4.	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (शैक्षणिक स्तर 10)	100 % सीधी भर्ती द्वारा	<p>(i) 55% अंक (या किसी पॉइन्ट स्केल, जहां भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी जाती है, में कोई समतुल्य ग्रेड) के साथ शारीरिक शिक्षा और स्पोर्ट्स या शारीरिक शिक्षा या स्पोर्ट्स विज्ञान में कोई स्नातकोत्तर डिग्री।</p> <p>(ii) अन्तर-विश्वविद्यालय/ अन्तर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं अथवा राज्य और/या राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय के प्रतिनिधित्व करने का रिकॉर्ड।</p> <p>(iii) उपरोक्त अर्हताओं को पूर्ण करने के अतिरिक्त, अभ्यर्थी को वि.अ.आ., सी.एस.आई.आर द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या वि.अ.आ. द्वारा प्रत्यायित समान परीक्षा, जैसे स्लेट/सेट उत्तीर्ण होना चाहिए या जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एमफिल/ पीएच.डी. उपाधि के न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया) विनियम, 2009 या 2016</p>	-	-	<p>सीधी भर्ती के लिए पात्रता और अच्छे शैक्षणिक अभिलेख पाने के प्रयोजन के लिए, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़े वर्ग(नॉन क्रीमीलेयर)/ अति पिछड़े वर्ग(अ.पि.व.) (नॉन-क्रीमीलेयर)/ निःशक्तजन (क) अंधता और अल्प दृष्टि; (ख) बधिर और कम सुनने वाला; (ग) लोकोमोटर निःशक्तता जिसमें सेरेब्रल पाल्सी, ठीक हुआ कुष्ठ रोग, बौनापन, एसिड-अटैक पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास; (घ) ऑटिज्म, बौद्धिक निःशक्तता, विशिष्ट अध्यापन निःशक्तता और मानसिक बीमारी; (ङ) बधिर-अंधता को सम्मिलित करते हुए</p>

		<p>और, यथास्थिति, समय-समय पर किये गये उनके संशोधन:</p> <p>परन्तु 11 जुलाई, 2009 से पूर्व पीएच.डी. डिग्री के लिए रजिस्ट्रीकृत अभ्यर्थी, उपाधि प्रदान करने वाली संस्थाओं के तत्समय विद्यमान अध्यादेशों/उप-विधियों/विनियमों के उपबंधों द्वारा शासित होंगे और ऐसे पीएच.डी. उपाधि वाले अभ्यर्थियों को सहायक आचार्य या विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/संस्थाओं में समतुल्य स्थितियों की भर्ती और नियुक्ति के लिए नेट/स्लेट/सेट की पात्रता शर्त की आवश्यकता से, निम्नलिखित शर्तों को पूर्ण करने के अध्यधीन रहते हुए छूट दी जायेगी:-</p> <p>(क) अभ्यर्थी को पीएच.डी. की उपाधि नियमित रीति में प्रदान की गयी हो;</p> <p>(ख) पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जायेगा;</p> <p>(ग) अभ्यर्थी की ओपन पीएच.डी.</p>			<p>(क) से (घ) के अधीन व्यक्तियों में से बहु-निःशक्तताओं , वाले अभ्यर्थियों के लिए स्नातक के साथ-साथ स्नातकोत्तर स्तर पर पाँच प्रतिशत का शिथिलीकरण अनुज्ञेय होगा। 55% अंक के पात्रता अंक (या किसी पॉइन्ट स्केल, जहाँ भी ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी जाती है, में कोई समतुल्य ग्रेड) और उपरोलिखित प्रवर्गों को 5% शिथिलीकरण, किसी अनुग्रह अंक प्रक्रिया को सम्मिलित किये बिना, केवल अर्हक अंकों के आधार पर अनुज्ञात होगा।</p>
--	--	---	--	--	---

			<p>की मौखिक परीक्षा संचालित की गयी हो;</p> <p>(घ) अभ्यर्थी ने उसके पीएच.डी. कार्य में से दो अनुसंधान पत्र प्रकाशित किये हों जिनमें से कम से कम एक संदर्भित जर्नल में हो।</p> <p>(ङ) अभ्यर्थी ने सम्मेलनों/ सेमिनारों में अपने पीएच.डी. कार्य के आधार पर कम से कम दो अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किये हों।</p> <p>टिप्पण:</p> <p>इन शर्तों (क) से (ङ) की पूर्ति रजिस्ट्रार या संबंधित विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक मामलों) द्वारा प्रमाणित की जानी है।</p> <p>(iv) नेट/स्लेट/ सेट ऐसे स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में की ऐसी शाखाओं के लिए अपेक्षित नहीं होगा जिनके लिए वि.अ.आ., सीएसआईआर के द्वारा नेट/स्लेट/ सेट या वि.अ.आ. द्वारा प्रत्यायित समान परीक्षा जैसे स्लेट/सेट संचालित नहीं की गयी हो।</p> <p>(v) इन विनियमों के अनुसार संचालित की गयी शारीरिक उपयुक्तता परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो।</p>			
--	--	--	---	--	--	--

			या कोई एशियन गेम या कॉमन वेल्थ गेम का पदक विजेता जिसके पास कम से कम स्नातकोत्तर स्तर की डिग्री हो।			
--	--	--	---	--	--	--

अनुसूची-I का परिशिष्ट

सारणी-I

पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए निर्धारण मानदण्ड और कार्यविधि

क्र.सं.	कार्यकलाप	ग्रेडिंग मानदण्ड
1.	पुस्तकालय में उपस्थिति की नियमितता (उन दिवसों जिसमें उसकी उपस्थिति अपेक्षित है की कुल संख्या और उपस्थिति के दिवसों के प्रतिशत के रूप में संगणित) पुस्तकालय में उपस्थिति के दौरान व्यक्ति से कार्य के निम्नलिखित मदों को साथ में किया जाना, अन्य बातों के साथ, अपेक्षित होगा: <ul style="list-style-type: none"> पुस्तकालय संसाधन और व्यवस्था तथा पुस्तकों, जर्नल्स और रिपोर्टों का रखरखाव। पुस्तकालय रीडर सेवा जैसे शोधकर्ताओं को साहित्य रिट्रीवल सेवाएं और रिपोर्ट का विश्लेषण संस्थागत वेबसाइट अद्यतन करने के प्रति सहायता। 	90% और अधिक- अच्छा 90% से नीचे किन्तु 80% और अधिक - संतोषजनक 80% से कम - असंतोषप्रद
2.	पुस्तकालय कार्यकलाप या विशिष्ट पुस्तकों पर या पुस्तकों की शैली से संबंधित सेमीनारों/कार्यशालाओं को संचालित करना।	अच्छा - 1 राष्ट्रीय स्तर सेमीनार/कार्यशाला + 1 राज्य/संस्था स्तर कार्यशाला/ सेमीनार संतोषप्रद - 1 राष्ट्रीय स्तर सेमीनार/कार्यशाला या 1 राज्य स्तर सेमीनार/कार्यशाला + 1 संस्था स्तर सेमीनार/कार्यशाला या 4 संस्था सेमीनार/कार्यशाला असंतोषप्रद - उपर्युक्त दो प्रवर्गों में नहीं आता।
3.	यदि पुस्तकालय में कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस है तो	अच्छा - कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस में भौतिक पुस्तकों और जर्नल्स का 100 %

	या यदि पुस्तकालय में कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस नहीं है	<p>संतोषप्रद - कम्प्यूटरीकृत डाटाबेस में भौतिक पुस्तकों और जर्नल्स का कम से कम 99 %</p> <p>असंतोषप्रद - उपर्युक्त दो प्रवर्गों में नहीं आता।</p> <p>याअच्छा -100 %</p> <p>सूचीबद्ध डाटाबेस अद्यतन किया गया</p> <p>संतोषप्रद - 90 % डाटाबेस अद्यतन किया गया असंतोषप्रद - सूचीबद्ध डाटाबेस अपेक्षानुसार नहीं है। (कै.उ.स्की. पदोन्नति समिति द्वारा यादृच्छिक सत्यापित किया जाना है)</p>
4.	वस्तु सूची और लापता पुस्तकों के विस्तार की जांच करना	<p>अच्छा - वस्तु सूची की जांच की गयी और लापता पुस्तकें 0.5% से कम है।</p> <p>संतोषप्रद - वस्तु सूची की जांच की गयी और लापता पुस्तकें 1% से कम है।</p> <p>असंतोषप्रद - वस्तु सूची की जांच नहीं की गयी।</p> <p>या</p> <p>वस्तु सूची की जांच की और लापता पुस्तकें 1% से या अधिक है।</p>
5.	<p>(i) कंप्यूटरीकृत डाटाबेस न रखने वाली संस्था में पुस्तक डाटाबेस का डिजिटलीकरण।</p> <p>(ii) पुस्तकालय नेटवर्क की प्रोन्नति।</p> <p>(iii) पुस्तकों और अन्य संसाधनों से संबंधित सूचना के प्रसार हेतु प्रणालियां जगह पर होना।</p> <p>(iv) प्रवेश, परीक्षाओं और पाठ्यतर कार्यकलापों के दौरान किए गये कार्य सहित शासन संबंधित कार्य और महाविद्यालय प्रशासन में सहायता।</p> <p>(v) उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्धि पाठ्यक्रमों को डिजाइन और प्रस्तावित करना।</p> <p>(vi) वि.अ.आ. अनुमोदित जर्नल्स में कम से कम एक अनुसंधान पत्र का प्रकाशन ।</p>	<p>अच्छा - किसी भी दो कार्यकलापों में संलिप्त होना।</p> <p>संतोषप्रद - एक कार्य कलाप।</p> <p>असंतोषप्रद - कोई भी कार्यकलाप नहीं किया/न उसमें संलिप्त हुआ।</p>

सम्पूर्ण ग्रेडिंग	अच्छा: मद 1 में अच्छा और मद 4 सहित अन्य दो मदों में संतोषप्रद/अच्छा। संतोषप्रद: मद 1 में संतोषप्रद और मद 4 सहित अन्य दो मदों में संतोषप्रद/अच्छा। असंतोषप्रद: यदि सम्पूर्ण ग्रेडिंग में न तो अच्छा है न संतोषप्रद है।
टिप्पण: (1) यह सिफारिश की जाती है कि पुस्तकालय कर्मचारीवृंद की उपस्थिति मॉनिटर करने और निर्धारण मानदंड की गणना हेतु आईटीसी प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाये। (2) पुस्तकालयाध्यक्ष के प्रकाशित पत्र, रिफ्रेशर या कार्यविधि पाठ्यक्रम के लिए सहभागिता प्रमाणपत्र, संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष से सफलतापूर्वक अनुसंधान मार्गदर्शन, परियोजना की पूर्ति हेतु साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। (3) कै.उ.स्की. पदोन्नति समिति को उपयोगकर्ताओं की शिकायतों और शिकायत निवारण ब्यौरों की सीमा पर नजर रखने की प्रणाली भी उपलब्ध करायी जा सकेगी।	

सारणी-II

शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के लिए निर्धारण मानदण्ड और कार्यविधि

क्र.सं.	कार्यकलाप	ग्रेडिंग मानदण्ड
1.	उन दिवसों, जिनमें उसकी उपस्थिति अपेक्षित है, की कुल संख्या और उपस्थिति के दिवसों के प्रतिशत के रूप में संगणित उपस्थिति।	90% और अधिक- अच्छा 90% से नीचे किन्तु 80% और अधिक - संतोषजनक 80% से कम - असंतोषप्रद
2.	अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करना।	अच्छा - 5 शाखाओं से अधिक में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता संतोषप्रद - 3-5 शाखाओं से अधिक में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता असंतोषप्रद - ना तो अच्छा ना ही संतोषप्रद।
3.	बाह्य प्रतियोगिताओं में संस्था की सहभागिता।	अच्छा - कम से कम एक शाखा में राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता साथ ही कम से कम तीन शाखाओं में राज्य/जिला स्तर प्रतियोगिता। संतोषप्रद - कम से कम एक शाखा में राज्य स्तर प्रतियोगिता साथ ही कम से कम तीन शाखाओं में जिला स्तर प्रतियोगिता। या कम से कम पांच शाखाओं में जिला स्तर प्रतियोगिता। असंतोषप्रद - ना तो अच्छा ना ही संतोषप्रद।
4.	वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी इनपुट सहित स्पोर्ट्स और शारीरिक प्रशिक्षण अवसंरचना	पदोन्नति समिति द्वारा अच्छा/संतोषप्रद/असंतोषप्रद निर्धारण किया

	का उन्नयन।खेल मैदानों और स्पोर्ट्स तथा शारीरिक शिक्षा सुविधाओं का विकास और अनुरक्षण।	जाना।
5.	<p>(i) संस्था के कम से कम एक छात्र के राष्ट्रीय/राज्य/विश्वविद्यालय (केवल महाविद्यालय स्तर के लिए) टीमों में सहभागिता। राज्य/राष्ट्रीय/अंतर-विश्वविद्यालय/अंतर-महाविद्यालय स्तर प्रतियोगिता।</p> <p>(ii) राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के लिए आमंत्रित किया जाना।</p> <p>(iii) वर्ष में कम से कम तीन कार्यशालाएं आयोजित करना।</p> <p>(iv) वि.अ.आ. अनुमोदित जर्नल्स में कम से कम एक अनुसंधान पत्र प्रकाशित करना। प्रवेश, परीक्षा और पाठ्यतर महाविद्यालय कार्यक्रमों के दौरान किए गये कार्य सहित शासन संबंधित कार्य और महाविद्यालय प्रशासन में सहायता।</p>	<p>अच्छा – किसी भी दो कार्यक्रमों में संलिप्त होना।</p> <p>संतोषप्रद - 1 कार्यक्रम</p> <p>असंतोषप्रद - कोई भी कार्यक्रम नहीं किया/न उसमें संलिप्त हुआ।</p>
सम्पूर्ण ग्रेडिंग	अच्छा: मद 1 में अच्छा और किन्हीं भी दो अन्य मदों में संतोषप्रद/अच्छा।संतोषप्रद: मद 1 में संतोषप्रद और किन्हीं भी दो अन्य मदों में संतोषप्रद/अच्छा।असंतोषप्रद: यदि सम्पूर्ण ग्रेडिंग में न तो अच्छा है न संतोषप्रद है।	
टिप्पण: (1) यह सिफारिश की जाती है कि शारीरिक शिक्षा और स्पोर्ट्स की उपस्थिति मॉनिटर करने और निर्धारण मानदंड की गणना हेतु आईटीसी प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाये।		
(2) संस्था को छात्र का फीडबैक प्राप्त करना होगा। फीडबैक्स को संबंधित शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक और कै.उ.स्की. पदोन्नति समिति के साथ भी साझा करना होगा।		
(3) कै.उ.स्की. पदोन्नति समिति को उपयोगकर्ताओं की शिकायतों और शिकायत निवारण ब्यौरों की सीमा पर नजर रखने की प्रणाली भी उपलब्ध करायी जा सकेगी।		

अनुसूची-II**(नियम 25 देखें)****पुस्तकालयाध्यक्षों की सीधी भर्ती के लिए परीक्षा की स्कीम**

परीक्षा की स्कीम और पाठ्यविवरण:- (1) सेवा में के पद पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोग द्वारा नीचे यथा विनिर्दिष्ट स्कीम के अनुसार संचालित की जायेगी:-

पुस्तकालयाध्यक्ष के पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा की स्कीम

प्रतियोगी परीक्षा की स्कीम में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा,-

(i) लिखित परीक्षा; और (ii) साक्षात्कार

क. लिखित परीक्षा:

लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न पत्र, उनके सामने दर्शित अंकों और अनुज्ञेय समय के साथ अंतर्विष्ट होंगे:-

प्रश्न पत्र	विषय	अंक	समय
I	पद से संबंधित विषय	75	3 घण्टे
II	पद से संबंधित विषय	75	3 घण्टे
III	राजस्थान का सामान्य अध्ययन	50	3 घण्टे
कुल अंक		200	

ख. साक्षात्कार:

(i) साक्षात्कार 20 अंकों का होगा।

(ii) रिक्तियों (प्रवर्गवार) की कुल संख्या के तीन गुना की सीमा तक उन अभ्यर्थियों को जिन्होंने लिखित परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त किये हैं जो आयोग द्वारा नियत किये जायें, साक्षात्कार के लिए बुलाये जायेंगे।

ग. पाठ्यविवरण:

पाठ्य विवरण ऐसा होगा जो आयोग द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाये और अभ्यर्थियों को ऐसे नियत समय के भीतर, ऐसी रीति में जो आयोग उचित समझे, सूचित किया जायेगा।

अनुसूची-III**(नियम 17 और 25 देखें)****शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक की सीधी भर्ती के लिए परीक्षा की स्कीम**

(1) सेवा में के पद पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोग द्वारा नीचे विनिर्दिष्ट स्कीम के अनुसार संचालित की जायेगी:-

शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के पद के लिए प्रतियोगी परीक्षा की स्कीम

प्रतियोगी परीक्षा की स्कीम में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा,-

(i) लिखित परीक्षा

(ii) साक्षात्कार; और

(iii) शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण

क. लिखित परीक्षा:

लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न पत्र, उनके सामने दर्शित अंकों और अनुज्ञेय समय के साथ अंतर्विष्ट होंगे:-

प्रश्न पत्र	विषय	अंक	समय
I	पद से संबंधित विषय	75	3 घण्टे
II	पद से संबंधित विषय	75	3 घण्टे
III	राजस्थान का सामान्य अध्ययन	50	2 घण्टे
कुल अंक		200	

ख. साक्षात्कार:

- साक्षात्कार 20 अंकों का होगा।
- रिक्तियों (प्रवर्गवार) की कुल संख्या के तीन गुना की सीमा तक उन अभ्यर्थियों को जिन्होंने लिखित परीक्षा में ऐसे न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त किये हैं जो आयोग द्वारा नियत किये जायें, साक्षात्कार के लिए बुलाये जायेंगे।

ग. पाठ्यविवरण:

पाठ्य विवरण ऐसा होगा जो आयोग द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाये और अभ्यर्थियों को ऐसे नियत समय के भीतर, ऐसी रीति में जो आयोग उचित समझे, सूचित किया जायेगा।

घ. शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण:

शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण के मानक नियम 17 के उप-नियम 2 में यथा विहित होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों से जो लिखित परीक्षा अर्हित करते हैं शारीरिक दक्षता परीक्षा/शारीरिक उपयुक्तता परीक्षण, जो अर्हक स्वरूप के होंगे, के लिए उपस्थित होना अपेक्षित होगा।

[सं एफ.1(1)डीओपी/क-2/2023]

राज्यपाल के आदेश और नाम से,
रामनिवास मेहता,
संयुक्त शासन सचिव।

DEPARTMENT OF PERSONNEL

A-Gr.II

NOTIFICATION

Jaipur, May 25, 2023

G.S.R.29 .-In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Rajasthan hereby makes the following rules regulating the recruitment to posts in and the conditions of service of persons appointed to the Rajasthan Librarian and Physical Training Instructor Service (Collegiate Branch), namely:-

**THE RAJASTHAN LIBRARIAN AND PHYSICAL TRAINING INSTRUCTOR
SERVICE (COLLEGIATE BRANCH) RULES, 2023**

**PART-1
GENERAL**

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Rajasthan Librarian and Physical Training Instructor Service (Collegiate Branch) Rules, 2023.

(2) They shall come into force with effect from 18.07.2018.

2. Definitions.- In these rules, unless the context otherwise requires,-

(a) "**Appointing Authority**" means the Government of Rajasthan and any other officer to whom powers in this behalf may be delegated by the Government;

(b) "**Commission**" means the Rajasthan Public Service Commission;

(c) "**Committee**" means the Committee referred to in sub-rule (3) of rule 29;

(d) "**Commissioner/Director**" means the Commissioner/Director of College Education, Rajasthan.

(e) "**Direct recruitment**" means recruitment made according to the procedure prescribed in Part-IV of these rules;

(f) "**Government**" means the Government of Rajasthan;

(g) "**Member of the Service**" means a person appointed to a post in the service on the basis of regular selection under the provisions of these rules or the rules or orders superseded by these rules;

(h) "**Promotion**" means Promotion under Career Advancement Scheme;

(i) "**Regulations**" means University Grants Commission (Minimum Qualifications for Appointment of Teachers and other Academic Staff in Universities and Colleges and Measures for the Maintenance of Standards in Higher Education) Regulations, 2018, as amended from time to time and as adopted by the State Government;

(j) "**Schedule**" means the Schedule appended to these rules;

(k) "**Service**" means the Rajasthan Librarian and Physical Training Instructor Service (Collegiate Branch);

(l) "**Service**" or "**Experience**" wherever prescribed in these rules as a condition for promotion from one service to another or within the service from one category to another or to senior posts, in the case of a person holding a lower post eligible for promotion to higher post shall include the period for which the person has continuously worked on such lower post after regular selection in accordance with rules promulgated under proviso to Article 309 of the Constitution of India.

Note: Absence during service e.g. training, leave and deputation etc., which are treated as 'duty' under the Rajasthan Service Rules, 1951 shall also be

counted as service for computing minimum experience or service required for promotion;

(m) **"State"** means the State of Rajasthan; and

(n) **"Substantive Appointment"** means an appointment made under the provisions of these rule to a substantive vacancy after due selection by any method of recruitment prescribed under these rules and includes an appointment on probation or as a probationer followed by confirmation on the completion of the probationary period.

Note: Due selection by any the method of recruitment prescribed under these rules shall include recruitment either on initial constitution of service or in accordance with the provisions of any rules promulgated under the proviso to Article 309 of the constitution of the India, except urgent temporary appointment; and

(o) **"Year"** means the financial year.

3. Interpretation.- Unless the context otherwise requires, the Rajasthan General Clauses Act, 1955 (Act No. VIII of 1955) shall apply for the interpretation of these rules as it applies for the interpretation of a Rajasthan Act.

PART-II CADRE

4. Composition and strength of the service.- (1) The nature of posts included in the service shall as specified in column 2 of the Schedule-I;
(2) The strength of the post in the service shall be such as may be determined by the Government, from time to time:

Provided that the Government may,-

- (a) create any post permanent or temporary, from time to time, as may be found necessary, and may abolish any such post in the like manner without thereby entitling any person to any compensation; and
- (b) leave unfilled or hold in abeyance or abolish or allow to lapse any post permanent or temporary, from time to time, without thereby entitling any person to any compensation.

5. Initial Constitution of the Service.- The service shall consist of,-

- (a) all persons holding substantively the post specified in schedule-I on the date of commencement of these rules;
- (b) all persons recruited to the post included in the service before commencement of these rules; and
- (c) all person recruited to the service in accordance with the provisions of these rules, except urgent temporary appointment under rule 31.

PART-III RECRUITMENT

6. Methods of recruitment.- (1) Recruitment to the post(s) included in the service after the commencement of these rules shall be made by the following methods, namely:-

- (a) by direct recruitment in accordance with the provisions of Part-IV of these rules; and
- (b) by promotion in accordance with the provisions of Part-V of these rules.

(2) Recruitment to the service by the aforesaid method shall be made in such a manner that the persons appointed to the service by each method do not at any time exceed the total cadre strength as sanctioned, from time to time.

(3) Notwithstanding anything contained in these rules, the recruitment, appointment, seniority and confirmation etc. of a person, who joins the Army/Air Force Navy during an Emergency, shall be regulated by such orders and instructions as may be issued by the Government, from time to time and same shall be regulated mutatis mutandis according to the instructions issued on the subject by the Government of India.

7. Reservation of vacancies for the Scheduled Castes and the Schedules Tribes.-

(1) Reservation of vacancies for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes shall be in accordance with the order of the Government for such reservation in force at the time of direct recruitment.

(2) Appointments shall be made strictly in accordance with the roster prescribed for direct recruitment.

(3) In the event of non-availability of the eligible and suitable candidates amongst the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be for direct recruitment, in a particular year, the vacancies so reserved for them shall be carried forward to the subsequent three recruitment years. After the expiry of three recruitment years, such carried forward vacancies shall be filled in accordance with the normal procedure:

Provided that,-

- (i) if recruitment is not held in any recruitment year, such recruitment year shall not be counted for the purpose of this sub-rule:
- (ii) filling up of the vacancies in accordance with the normal procedure under this sub-rule shall not affect the reservation of posts as per the post based roster and vacancies on the reserved posts available in the roster may be filled in from amongst the persons belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, for which such vacancy is available in subsequent years.

8. Reservation of vacancies for the Backward Classes and More Backward Classes.- Reservation of vacancies for the Backward Classes and More Backward Classes shall be in accordance with the provision of law in force at the time of direct recruitment. In the event of non-availability of eligible and suitable candidates amongst Backward Classes and More Backward Classes in a particular year, the vacancies so reserved for them shall be filled, in accordance with the normal procedure.

9. Reservation of vacancies for Economically Weaker Sections.- Reservation of vacancies for Economically Weaker Sections shall be 10% in direct recruitment in addition to existing reservation. In the event of non-availability of eligible and suitable candidate amongst Economically Weaker Sections in a particular year, the vacancies so reserved for them shall be filled in accordance with the normal procedure.

Explanation: For the purpose of this rule '**Economically Weaker Sections**' shall be the persons who are bonafide resident of Rajasthan and not covered under the existing scheme of reservation for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, the Backward Classes, the More Backward Classes and whose family has gross

annual income below rupees 8.00 lakh. Family for this purpose will include the person who seeks benefit of reservation, his/her parents and siblings below the age of 18 year as also his/her spouse and children below the age of 18 years. The income shall include income from all sources i.e. salary, agriculture, business, profession etc. and it will be income for the financial year prior to the year of application.

10. Reservation of vacancies for women.- Reservation of vacancies for women candidates shall be 30% category wise in direct recruitment out of which one third shall be for widows and divorced women candidates in the ratio of 80:20. In the event of non-availability of eligible and suitable candidates, either in widow or in divorcee, in a particular year, the vacancies may first be filled by interchange, i.e. vacancies reserved for widows to the divorcees or vice-versa. In the event of non-availability of sufficient widow and divorcee candidates, the unfilled vacancies, shall be filled by other women of the same category and in the event of non-availability of eligible and suitable women candidates, the vacancies so reserved for them shall be filled up by male candidates of the category for which vacancy is reserved. The vacancies so reserved for women candidates shall not be carried forward to the subsequent year. The reservation for women including widows and divorcee women shall be treated as horizontal reservation, within the category, i.e. even the women selected in general merit of the category shall first be adjusted against the women quota.

Explanation: In the case of widow, she will have to furnish a certificate of death of her husband from the Competent Authority and in the case of divorcee she will have to furnish the proof of divorce.

11. Nationality.- A candidate for appointment to the service must be,-

- (a) a citizen of India; or
- (b) a subject of Nepal; or
- (c) a subject of Bhutan; or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India; or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India:

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government in the Department of Home Affairs and Justice after proper verification.

12. Conditions of eligibility of persons migrated from other countries to India.- Notwithstanding anything contained in these rules, provisions regarding eligibility for recruitment to the Service with regard to nationality, age limit and fee or other concessions to a person who may migrate from other countries to India with the intention of permanently settling in India shall be regulated by such orders or instructions as may be issued by the State Government, from time to time and the same shall be regulated mutatis mutandis according to the instructions issued on the subject by the Government of India.

13. Determination of vacancies.- (1) Subject to the provision of these rules, the Appointing Authority shall determine on 1st April every year, the actual number of vacancies occurring during the financial year.

(2) Where a post is to be filled in by a single method as prescribed in these rules or Schedule-I, the vacancies so determined shall be filled in by that method.

14. Age.- A candidate for direct recruitment to the posts enumerated in the Schedule-I must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 40 years on the first day of January next following the last date fixed for receipt of application:

Provided that,-

- (i) the upper age limit mentioned above shall be relaxed by,—
 - (a) 5 years in the case of male candidate belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribes, Backward Classes, More Backward Classes and Economically Weaker Sections;
 - (b) 5 years in the case of woman candidate belonging to General category; and
 - (c) 10 years in the case of woman candidate belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Backward Classes, More Backward Classes and Economically Weaker Sections.
- (ii) the upper age limit mentioned above shall not apply in the case of an ex-prisoner who had served under the Government on a substantive basis on any post before his/her conviction and was eligible for appointment under these rules.
- (iii) the upper age limit mentioned above shall be relaxed by a period equal to the term of imprisonment served in the case of an ex-prisoner who was not overage before his/her conviction and was eligible for appointment under the rules.
- (iv) the persons appointed temporarily to a post in the service shall be deemed to be within the age limit, had they been within the age limit when they were initially appointed even though they have crossed the age limit when they appear finally before the commission and shall be allowed up to two chances had they been eligible as such at the time of their initial appointment.
- (v) the upper age limit mentioned above shall be relaxed by a period equal to the service rendered in the National Cadet Corps and in the case of cadet Instructors, if the resultant age does not exceed the prescribed maximum age limit by more than three years, they shall be deemed to be within the prescribed age limit.
- (vi) the released Emergency Commissioned Officers and Short Service Commissioned Officers after release from the Army shall be deemed to be within the age limit even though they have crossed the age limit when they appear before the Commission had they been eligible as such at the time of their joining the Commission in the Army.
- (vii) the upper age limit for persons serving in connection with the affairs of the State, Panchayat Samities and Zila Parisad and in the State Public Sector Undertaking/ Corporation in substantive capacity shall be 40 years.
- (viii) there shall be no upper age limit in the case of widows and divorced women.

Explanation: In the case of widow, she will have to furnish a certificate of death of her husband from the competent authority and in case of divorcee, she will have to furnish the proof of divorce.

- (ix) If a candidate would have been entitled in respect of his/her age for direct recruitment in any year in which no such recruitment was held, he/she shall be deemed to be eligible in the next following recruitment, if he/she is not overage by more than 3 years.
- (x) the person who was within the age limit on 31.12.2020 shall be deemed to be within the age limit upto 31.12.2024.

15. Academic and Technical qualifications and experience.- A candidate for direct recruitment to the post(s) specified in the Schedule-I shall possess;

- (i) the qualifications and experience as laid down in column 4 of the Schedule-I, and
- (ii) working knowledge of Hindi written in Devnagri Scripts, and knowledge of Rajasthan culture:

Provided that the person who has appeared or is appearing in the final year examination of the course which is the requisite educational qualification for the post as mentioned in these rules or schedule-I for direct recruitment, shall be eligible to apply for the post but he/she shall have to submit proof of having acquired the requisite educational qualification to the appropriate selection agency;

- (i) before appearing in the main examination, where selection is made through two stages of written examination and interview;
- (ii) before appearing in interview where selection is made through written examination and interview; and
- (iii) before appearing in the written examination or interview where selection is made through only written examination or only interview, as the case may be.

16. Character.- The Character of a candidate for direct recruitment to the service must be such as shall qualify him for employment in the service. He must produce a certificate of good character from the Principal Academic Officer of the University or College in which he was last educated and two such certificates, written not more than six months prior to the date of application from two responsible persons not connected with the College or University and not related to him/her.

Note:- (i) A conviction by a Court of law need not itself involve the refusal of a certificate of good character. The circumstances of the conviction would be taken into account and if they involve no moral turpitude or association with crimes of violence or with a movement which has as its object the overthrow by violent means of the Government as by law established, the mere conviction need not be regarded as a disqualification.

- (ii) Ex-Prisoners, who by their disciplined life while in prison and by their subsequent good conduct have proved to be completely reformed, should not be discriminated against, on grounds of their previous conviction for the purpose of employment in the service. Those who are convicted of offences not involving moral turpitude shall be deemed to have been completely reformed on the production of a report to that effect from the Superintendent, 'After care Home' or if there are not such homes in a particular district from the Superintendent of Police of that District.

- (iii) Those convicted of offences involving moral turpitude or violence shall be required to produce a certificate from the Superintendent, 'After Care Home' or if there is no such home in a particular district, from the Superintendent of Police endorsed by the Inspector General of Prisons, to the effect that they are suitable for employment as they have proved to have been completely reformed by their disciplined life while in prison and by their subsequent good conduct in an 'After Care Home'.

17. Physical Fitness and physical efficiency test.- (1) A candidate for direct recruitment to the service, must be in good mental and bodily health and free from any mental and physical defect likely to interfere with the efficient performance of his duties as a member of service and if selected, must produce a certificate of medical fitness to that effect from a Medical Authority notified by the Government for the purpose. The Appointing Authority may dispense with production of such certificate in the case of a candidate who is already serving in connection with the affairs of the State if he has already been medically examined for the previous appointment and the essential standards of medical examination of the two posts held by him are to be comparable for efficient performance of duties of the new post and his age has not reduced his efficiency for the purpose.

(2) A candidate for direct recruitment to the post of Physical Training Instructor must be required to qualify the following Physical Efficiency Test:-

- (a) Subject to the provisions of the UGC Regulations, all candidates who are required to undertake the physical fitness test are required to produce a medical certificate certifying that he/she is medically fit before undertaking such tests.
- (b) On production of such certificate mentioned in sub-clause (a) above, the candidates would be required to undertake the Physical fitness test in accordance with the following norms:

Norms for men			
12 Minutes run/walk test			
Age upto 30 years	Age upto 40 years	Age upto 45 years	Age upto 50 years
1800 metres	1500 metres	1200 metres	800 metres
Norms for women			
8 Minutes run/walk test			
Age upto 30 years	Age upto 40 years	Age upto 45 years	Age upto 50 years
1000 metres	800 metres	600 metres	400 metres

18. Employment of irregular or improper means.- A candidate, who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated document or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or of using or attempting to use unfair means in the examination or interview or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or appearance at any interview, may in addition to rendering him liable to criminal prosecution, be debarred either permanently or for a specified period,-

- (a) by the Commission from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and
- (b) by the Government from employment under the Government.

19. Canvassing.- No recommendation for direct recruitment either written or oral, other than that the required under the rules, shall be taken into consideration. Any attempt on the part of a candidate to enlist support directly or indirectly for his/her candidature by any means, may disqualify him/her for recruitment.

PART-IV

PROCEDURE FOR DIRECT RECRUITMENT

20. Inviting of application.- Applications for direct recruitment to posts in the service shall be invited by the Commission by advertising the vacancies to be filled, in the Official Gazette or in such other manner, as may be deemed fit. The advertisement shall contain a clause that a candidate who accepts the assignment on the post being offered to him/her shall be paid monthly fixed remuneration at the rate fixed by the State Government, from time to time, during the period of probation and the pay in Academic level in pay matrix of the post as shown else-where in the advertisement shall be allowed only from the date of successful completion of the period of probation mentioned in these rules:

Provided that while selecting candidates for the vacancies, so advertised, the Commission may, if intimation of additional requirement not exceeding 50% of the advertised vacancies is received by it before selection, also select suitable persons to meet such additional requirement.

21. Frequency of direct recruitment.- Direct recruitment to the post specified in Schedule-I shall be held at least once a year unless the Government decides that a direct recruitment for any of these posts shall not be held in any particular year.

22. Form of Application.- The application shall be made in the form prescribed by the Commission and obtainable from the Secretary to the Commission on payment of such fee if any, as the Commission may fix, from time to time.

23. Application Fee.- A candidate for direct recruitment to a post in the Service must pay the fee fixed by the Commission in such manner as may be indicated by them.

24. Scrutiny of applications and examinations.- (1) The applications received by the Commission which are found to be incomplete shall be rejected by them. Before appearing in the examination, it should be ensured by the candidate himself/herself that he/she fulfils the conditions in regard to age, educational qualifications, experience, if any, etc. as provided in these rules. Being allowed to take the examination shall not entitle the candidate to presumption of eligibility. The Commission shall scrutinise later on the applications of such candidates only as qualify in the written examination and shall call only the eligible candidates for interview.

(2) The candidates shall have to appear in the written examination and the candidates who obtained such marks as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by the Commission for interview. The candidates summoned by the Commission for interview shall have to appear in interview. The allocation of marks for interview shall not be more than 10% of the total marks taken into account for the purpose of selection.

(3) The decision of the Commission regarding the eligibility or otherwise of a candidate shall be final.

25. Scheme and Syllabus of examination.- (1) The written examination for direct recruitment to the post in the service shall be conducted by the Commission as per Scheme and Syllabus of examination specified in Schedule-II and III.

(2) The Commission shall not recommend a candidate who has failed to appear in any of the written paper and interview.

26. Recommendations of the Commission.- The Commission shall prepare a list of the candidates, on the basis of marks obtained in examination and interview suitable for appointment to the posts concerned and arrange in the order of merit and forward the same to the Appointing Authority:

Provided that the Commission may also to the extent to 50% of the advertised vacancies, keep names of suitable candidate on the reserve list. The Commission may, on requisition, recommend such names in order of merit to the Appointing Authority within six months from the date on which the original list is forwarded by the Commission to the Appointing Authority.

27. Disqualification for appointment.- (1) No candidate who has more than one spouse living, shall be eligible for appointment to the service unless the Government after being satisfied that there are special grounds permissible under personal law for doing so, exempt any candidate from the operation of this rule.

(2) No candidate who is married to a person having already a spouse living shall be eligible for appointment to the service unless the Government, after being satisfied that there are special grounds for doing so, exempt any candidate from the operation of this rule.

(3) No married candidate shall be eligible for appointment to the service if he/she had at the time of his/her marriage accepted dowry.

Explanation: For the purpose of this rule dowry has the same meaning as in the Dowry Prohibition Act, 1961 (Central Act No. 28 of 1961).

(4) No candidate shall be eligible for appointment to the service who has more than two children on or after 1st June, 2002:

Provided that,-

- (i) the candidate having more than two children shall not be deemed to be disqualified for appointment, so long as the number of children he/she has on 1st June, 2002 does not increase.
- (ii) where a candidate has only one child from earlier delivery but more than one child are born out of a single subsequent delivery, the children so born shall be deemed to be one entity while counting the total number of children.
- (iii) while counting the total number of children of a candidate, the child born from earlier delivery and having disability shall not be counted.
- (iv) any candidate who performed remarriage which is not against any law and before such remarriage he is not disqualified for appointment under this sub-rule, he shall not be disqualified if any child is born out of single delivery from such remarriage.

28. Selection by Appointing Authority.- Subject to the provisions of rule 7, 8, 9 and 10 the Appointing Authority shall select candidates, in the order of merit in the list prepared by the Commission under rule 26:

Provided that the inclusion of a candidate's name in the list confers no right to appointment unless the Appointing Authority is satisfied after such inquiry as may be considered necessary that such candidate is suitable in all other respects for appointment to the post concerned.

**ELIGIBILITY AND PROCEDURE FOR PROMOTION TO THE POST OF
LIBRARIANS AND PHYSICAL TRAINING INSTRUCTORS**

29. Criteria, Eligibility and procedure for promotion.- (1) Eligibility and Procedure for Promotion.-

- (i) For every year, a list for assessment of eligible candidates who fulfill the Promotion criteria as laid down in the Regulations is prepared by the Director/Commissioner College Education. The Assessment shall be made by the Committee constituted under sub-rule (3) below.
- (ii) The Assessment criteria and methodology for Career Advancement Scheme as specified in the Regulations, as amended from time to time, shall apply.
- (iii) The Annual Performance Appraisal Reports and norms as prescribed by the Department of Personnel regarding promotions, as amended from time to time, shall also be applicable for assessment by the Committee.
- (iv) No person shall be considered for Promotion unless he/she is regularly selected under these rules.
- (v) To avoid any hardship to those members of the service, who are already qualified under the UGC Regulation, 2010, as adopted by the State Government, upto 30-09-2021, an option may be given, for being considered for promotions to the next higher Academic Level under the UGC Regulation, 2010, as adopted by the State Government. The option may be exercised within three months from the date of issue of these rules.
- (2) The overall selection procedure shall incorporate transparent, objective and credible methodology of analysis of the merits and credentials of the applicants based on the weightage given to the performance of the candidate in different relevant parameters and his/her performance on a grading system on the prescribed proforma.
- (3) **Assessment.-** No Librarian and Physical Training Instructors shall be allowed to cross the stage of assessment in the prescribed pay scale unless an assessment has been done by a Committee consisting of,-

- | | | |
|---|---|------------------|
| (i) Chairman of the Commission or a Member thereof nominated by him. | - | Chairman |
| (ii) Additional Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary to the Government in the Department of Higher Education. | - | Member |
| (iii) Principal Secretary/Secretary to the Government in the Department of Personnel or his nominee not below the rank of Deputy Secretary to the Government | - | Member |
| (iv) Two subject experts nominated by the Higher Education Department | - | Member |
| (v) An academician belonging to the SC/ST/MBC/BC/Minority/women /person with benchmark disability categories nominated by the Higher Education Department, if required as per regulations | - | Member |
| (vi) Commissioner/Director of the College Education, Rajasthan | - | Member Secretary |

(4) The lists prepared by the Committee shall be sent to the Appointing Authority together with details of all the candidates included in the lists as also of those not selected, if any.

(5) No person shall be considered for promotion for three recruitment years from the date on which his/her Promotion becomes due, if he/she has more than two children on or after 1st June, 2002:

Provided that, -

- (i) the person having more than two children shall not be deemed to be disqualified for promotion so long as the number of children he/she has on 1st June, 2002 does not increase.
- (ii) where a person has only one child from the earlier delivery but more than one child are born out of a single subsequent delivery, the children so born shall be deemed to be one entity while counting the total number of children.
- (iii) while counting the total number of children of a candidate, the child born from earlier delivery and having disability shall not be counted.
- (iv) any person who performed remarriage which is not against any law and before such remarriage he is not disqualified for promotion under this sub-rule, he shall not be disqualified, if any child is born out of single delivery from such remarriage.

(6) The Internal Quality Assurance Cell (IQAC) shall be established in all Colleges as per the UGC/National Assessment Accreditation Council (NAAC) guideline with the Principal, as Chairman. The IQAC shall act as the documentation and record-keeping Cell for the institution, including assistance in the development of Assessment Criteria and Methodology Proforma.

(7) A candidate who wishes to be considered for promotion under the CAS may submit in writing to the college, within three months in advance of the due date, that he/she fulfils all the requirements under the CAS and submit to the college the Assessment Criteria and Methodology in the requisite Proforma.

(8) The Government may issue instructions for provisionally dealing with the promotions, in an equitable and fair manner of persons who may be under suspension, or against whom departmental proceedings is under progress, at the time of promotions are considered to a post to which they are eligible or would have been eligible but for such suspension or pendency of such enquiry or proceedings.

(9) The provisions of this rule shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any provision of these rules.

PART-VI

APPOINTMENT, PROBATION AND CONFIRMATION

30. Appointment to the service.- Appointment to the posts in the service,-

(a) by direct recruitment, as probationer trainee on fixed remuneration, shall be made by the Appointing Authority on occurrence of substantive vacancies from the candidates selected under rules 26 in the order of merit; and

(b) by promotion from the persons selected under rule 29.

31. Urgent temporary appointment.- (1) A vacancy in the service which cannot be filled in immediately either by direct recruitment or promotion under the rules, may be filled in by Government or by the authority competent to make appointment, as the case may be, by appointing in an officiating capacity thereto an officer eligible for appointment to the post by promotion or a appointing temporarily thereto a person eligible for direct recruitment to the service, where such direct recruitment has been provided under the provisions of these rules:

Provided that,-

(i) such an appointment shall not be continued beyond a period of one year without referring the case to the Commission for concurrence and shall be terminated immediately on its refusal to concur.

(ii) In respect of a post in service for which both the methods of recruitment have been prescribed, the Authority competent to make appointment, shall not, save with the specific permission of the Government in the Department of Personnel, fill the temporary vacancy against the direct recruitment quota by a whole-time appointment for a period exceeding three months otherwise than out of person eligible for direct recruitment and after a short-term advertisement.

(2) In the event of non-availability of suitable persons fulfilling the requirements of eligibility for promotion, Government may, notwithstanding the condition of eligibility for promotions required under sub-rule (1) above, lay down general instructions for grant of permission to fill the vacancies on urgent temporary basis, subject to such condition and restrictions regarding pay and other allowances as it may direct. Such appointments shall, however, be subject to concurrence of the Commission as required under the sub-rule (1) above.

32. Seniority.- Seniority of persons appointed to the post encadred in the service shall be determined from the date of appointment on the post after regular selection in accordance with the provisions of these rules. Appointment on adhoc or urgent temporary basis shall not be deemed to be appointment after regular selection:

Provided that,-

(i) the seniority inter se of member of the service appointed before the commencement of these rules shall be such as has already been determined or may, after the commencement of these rules be determined, amended or modified by the Government in accordance with rules or orders in force; and

(ii) the inter-se-seniority of persons appointed to a post in a particular category by direct recruitment on the basis of one and the same selection, except those who do not join Service when a post is offered to them within a period of six weeks from the date of issue of order or longer, if extended by the Appointing Authority, shall follow the order in which their names have been placed in the list prepared under rule 26.

33. Period of probation.- (1) A person entering the service by direct recruitment against a clear vacancy shall be placed as the Probationer-trainee for a period of two years:

Provided that any period after such appointment during which a person has been on deputation on a corresponding or higher post shall count towards the period of probation.

(2) During the period of probation specified in sub-rule (1) each probationer may be required to pass such Departmental Examination and to undergo such training as the Government may, from time to time, specify.

34. Confirmation in certain cases.- (1) Notwithstanding anything to the contrary contained in the preceding rule, a person appointed to a post in the service by direct recruitment as a probationer trainee under these rules has not been confirmed within six months after satisfactory completion of probation for a period of two years shall be entitled to be treated as confirmed in accordance with his/her seniority if,-

- (i) he/she has worked on the post or higher post under the same Appointing Authority or would have so worked but for his/her deputation or training;
- (ii) he/she fulfills conditions as are prescribed under rule relating to confirmation subject to the quota prescribed under these rules; and
- (iii) he has been appointed against a substantive vacancy.

(2) If an employee referred to in sub-rule (1) above fails to fulfill the conditions mentioned in the said sub-rule, the period mentioned in the sub-rule (1) above, may be extended as prescribed for a probation or under the Rajasthan Civil Services (Departmental Examination) Rules, 1959 and any other rules or by one year whichever is longer. If the employee still fails to fulfill the condition mentioned in sub-rule (1) above, he shall be liable to be discharged or terminated from such post in the same manner as a probationer or reverted to his substantive or lower post, if any, to which he may be entitled.

(3) The employee referred to in sub-rule (1) above, shall not be debarred from confirmation after the said period of service, if no reasons to the contrary about the satisfactory performance of his work are communicated to him within the said period of service.

(4) The reasons for not confirming of any employee referred to in sub-rule (1) above shall be recorded by the Appointing Authority in his Service Book and Annual Performance Appraisal Report.

Explanation: (i) Regular recruitment for the purpose of this rule shall mean-

- (a) appointment by either method of recruitment or on initial constitution of service in accordance with the rules made under the proviso to Article 309 of the Constitution of India;
- (b) appointment to the posts for which no Service Rules exist, if the posts are within the purview of the commission, recruitment in consultation with them;
- (c) appointment by transfer after regular recruitment where the Service Rules specifically permit; and
- (d) persons who have been made eligible for substantive appointment to a post under these rules shall be treated as having been regularly recruited:

Provided that it shall not include urgent temporary appointment or officiating promotion which is subject to review and revision.

- (ii) Persons who hold lien on another cadre shall be eligible to be confirmed under this rule and they will be eligible to exercise an option whether they do not elect to be confirmed on the expiry of two years of their temporary appointment under this rule. In the absence of any option to the contrary, they shall be deemed to have exercised option in favor of confirmation under this rule and their lien on the previous post shall cease.

35. Unsatisfactory progress during probation.- If it appears to the Appointing Authority, at any time, during or at the end of the period of probation, that services of a probationer-trainee are not found to be satisfactory, the Appointing Authority may revert him/her to the post on which he/she is regularly selected immediately preceding his/her appointment as probationer-trainee or in other cases may discharge or terminate him/her from service. The Appointing Authority shall accord appropriate opportunity to the probationer-trainee before final orders are passed in this respect.

Provided that the Appointing Authority may, if it so thinks fit in any case or class of cases, extend the period of probation of any probationer-trainee by a specified period not exceeding one year.

36. Confirmation.- A probationer shall be confirmed in his appointment at the end of his period of probation, if,-

- (a) he has passed the departmental examination and has successfully undergone such training, as Government may, from time to time, specify;
- (b) he has passed a departmental test of proficiency in Hindi; and
- (c) the Government is satisfied that his integrity is unquestionable and that he is otherwise fit for confirmation.

PART-VII PAY

37. Scale of pay.- The pay (Academic Level in pay matrix or as amended from time to time) of a person appointed to a post in the service shall be such as may be admissible under the rules referred to in rule 39 or as may be sanctioned by the Government, from time to time.

38. Pay during probation.- A probationer trainee appointed to the service by direct recruitment shall be paid monthly fixed remuneration during the period of probation at such rates as may be fixed by the Government from time to time:

Provided that an employee having been regularly selected as per provisions of recruitment rules in the Government service may be allowed emoluments in his/her own Pay Matrix in the existing level in pay matrix of the post during service as probationer trainee or fixed remuneration of the new post, as per provisions the rule 24 of Rajasthan Service Rules, 1951.

39. Regulation of pay, leave, allowances, pension etc.- Except as provided in these rules, the pay allowances, pension, leave and other conditions of service of the members of the service, shall be regulated by-

- (i) the Rajasthan Service Rules, 1951, as amended from time to time;
- (ii) the Rajasthan Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1958, as amended from time to time;
- (iii) the Rajasthan Travelling Allowance Rule, 1971, as amended from time to time;
- (iv) the Rajasthan Civil Service (Conduct) Rule, 1971, as amended from time to time;
- (v) the Rajasthan Civil Services (Pension) Rule, 1996, as amended from time to time;

- (vi) the Rajasthan Civil Services (Revised Pay Scale) Rules, 1998, as amended from time to time;
- (vii) the Rajasthan Civil Services (Contributory Pension) Rules, 2005, as amended from time to time;
- (viii) the Rajasthan Civil Services (Revised Pay) Rules, 2008, as amended from time to time;
- (ix) the Rajasthan Civil Services (Revised Pay for Government College Teachers including Librarians and PTIs) Rules, 2009, as amended from time to time;
- (x) the Rajasthan Civil Services (Revised Pay for Government College Teachers including Librarians and PTIs) Rules, 2018, as amended from time to time;
- (xi) any other rules prescribing general conditions of Service made by the appropriate Authority under the proviso to Article 309 of the Constitution of India and for the time being in force.

40. Removal of Doubts.- If any doubt arises relating to the application, interpretation and scope of these rules, it shall be referred to Government in the Department of Personnel whose decision thereon shall be final.

41. Repeal and savings.- The Rajasthan Librarians and Physical Training Instructors Service (Collegiate Branch) Rules, 1980 and all orders issued in relation to matters covered by these rules in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed:

Provided that any action taken under the rules and orders so repealed, shall be deemed to have been taken under the provisions of these rules.

42. Power to relax rules.- In exceptional cases where the Administrative Department of the Government is satisfied that operation of the rules relating to age for recruitment causes undue hardship in any particular case or where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to relax any of the provisions of these rules with respect to age of any person, it may with the concurrence of the Department of Personnel in consultation with the Commission by orders dispense with or relax the relevant provisions of these rules to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner:

Provided that such relaxation shall not be less favourable than the provisions already contained in these rules. Such cases of relaxation shall be referred to the Commission by the Administrative Department concerned.

43. Special provision for recruitment on vacant post and work load.- (1) Any vacancy in the cadre due to superannuation, death, creation of posts in new colleges or any other reason, shall be filled in by direct recruitment on the post of Librarian/Physical Training Instructor only and the post which fall vacant after promotion shall not be filled by direct recruitment.

(2) Workload of Librarian/ Physical Training Instructor shall be according to the norms as prescribed by the Government, from time to time.

S. No.	Name of Post	Method of recruitment with percentage	Minimum qualification and experience for direct recruitment	Post from which promotion/s election is to be made	Minimum qualification and experience for promotion	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
1.	Librarian (Academic Level 13A)	100% by promotion under CAS	—	Librarian (Academic Level 12)	<p>1. He/she has completed three years of service on the post mentioned in column number 5.</p> <p>2. He/she has done any one of the following in the last three years: (i) Training/Seminar/Workshop/Course on automation and digitalization, (ii) Maintenance and related activities as specified in Table I of Appendix of Schedule-I of at least two weeks' (ten days) duration, (iii) Completed two courses of at least one week (five days) duration in lieu of every single course /programme of at least two weeks (ten days) duration), (iv) Taken/developed one MOOCs course in the relevant subject (with e-certification), and (v) Library up-gradation course; and</p> <p>He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade in the annual performance assessment reports of at least two out of the last three years of the assessment period, as specified in Table I of Appendix of Schedule-I.</p>	-
2.	Librarian (Academic Level 12)	100% by promotion under CAS	—	Librarian (Academic Level 11)	<p>1. He/she has completed five years of service on the post mentioned in column number 5.</p> <p>2. He/she has done any two of the following in the last five years: (i) Training/Seminar/Workshop/Course on automation and digitalisation, (ii) Maintenance and other activities as specified in Table I of Appendix of Schedule-I of at least two weeks (ten days) duration (or completed two courses of at least one week (five days) duration in lieu of every single course/programme of at least two weeks (ten days) duration), (iii)</p>	-

					<p>Taken/developed one MOOCs course in the relevant subject (with e-certification), or (iv) Library up-gradation course; and</p> <p>He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade in the annual performance assessment reports of at least four out of the last five years of the assessment period, as specified in Table I of Appendix of Schedule-I.</p>	
3.	Librarian (Academic Level 11)	100% by promotion under CAS		Librarian (Academic Level 10)	<p>An Librarian ordinary scale who is in Academic Level 10 and has completed four years of service having a Ph.D. degree in Library Science/ Information Science/Documentation Science or an equivalent degree or five years' of experience, having at least a M.Phil.degree, or six years of service for those without a M.Phil or a Ph.D. degree.</p> <p>(i) He/she has attended at least one Orientation course of 21 days' duration; and</p> <p>(ii) Training, Seminar or Workshop on automation and digitalisation, maintenance and related activities, of at least 5 days, as specified in Table I of Appendix of Schedule-I; and</p> <p>He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade in the annual performance assessment reports of at least three/four/five out of the last four/five/six years of the assessment period as the case may be as specified in Table I of Appendix of Schedule-I.</p>	-
4.	Librarian (Academic Level 10)	100% by direct recruitment	<p>(i) A Master's Degree in Library Science, Information Science or Documentation Science or an equivalent professional degree, with at least 55% marks (or an equivalent grade in a point-scale, wherever the grading system is followed)</p> <p>(ii) A consistently</p>	-	-	<p>A relaxation of 5% shall be allowed at the Bachelor's as well as at the Master's level for the candidates belonging to Scheduled Castes/ Scheduled Tribes/</p>

		<p>good academic record, with knowledge of computerization of a library.</p> <p>(iii) Besides fulfilling the above qualifications, the candidate must have cleared the National Eligibility Test (NET) conducted by the UGC, CSIR or similar test accredited by the UGC like SLET/SET or who are or have been awarded a Ph.D. Degree in accordance with the University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2009 or 2016 and their amendments from time to time as the case may be:</p> <p>Provided that the, candidates registered for the Ph.D. degree prior to July 11, 2009, shall be governed by the provisions of the then existing Ordinances/Bye-laws/ Regulations of the Institution awarding the degree, and such Ph.D. candidates shall be exempted from the requirement of NET/SLET/SET for recruitment and appointment of Assistant Professor or equivalent positions in Universities /Colleges/Institutions subject to the fulfillment of the following conditions:-</p> <p>(a) The Ph.D. degree of the candidate has</p>			<p>Backward Classes (BC)) (Non-creamy Layer)/ More Backward Classes (MBC) (Non-creamy Layer)/ Differently abled ((a) Blindness and low vision; (b) Deaf and Hard of Hearing; (c) Locomotor disability including cerebral palsy, leprosy cured, dwarfism, acid-attack victims and muscular dystrophy; (d) Autism, intellectual disability, specific learning disability and mental illness; (e) Multiple disabilities from amongst persons under (a) to (d) including deaf-blindness) for the purpose of eligibility and assessing good academic record for direct recruitment . The eligibility marks of 55% marks (or an</p>
--	--	---	--	--	--

			<p>been awarded in the regular mode (b) The Ph.D. thesis has been evaluated by at least two external examiners; (c) Open Ph.D. viva voce of the candidate has been conducted; (d) The candidate has published two research papers from his/her Ph.D. work out of which at least one is in a refereed journal; (e) The candidate has presented at least two papers based on his/her Ph.D. work in conferences/seminars sponsored /funded /supported by the UGC/ICSSR/CSIR or any similar agency.</p> <p>Note: (i) The fulfilment of these conditions is to be certified by the Registrar or the Dean (Academic Affairs) of the University concerned. (ii) NET/SLET/SET shall also not be required for candidates in such Master's Programmes for which NET/SLET/SET is not conducted by the UGC, CSIR or similar test accredited by the UGC like SLET/SET.</p>			<p>equivalent grade in a point scale wherever the grading system is followed) and the relaxation of 5% to the categories mentioned above are permissible , based only on the qualifying marks without including any grace mark procedure.</p>
Physical Education and Sports wing						
1.	Physical Training Instructor. (Academic Level 13A)	100% by promotion under CAS	-	Physical Training Instructor. (Academic Level 12)	<p>1. He/she has completed three years of service on the post mentioned in column number 5. 2. He/she has done any one of the following during last three years: (i) Completed one course/ programme from among the categories of Refresher Courses, Research Methodology Workshop, (ii) Teaching-Learning-Evaluation Technology Programmes/Faculty Development</p>	

					<p>Programmes of at least two weeks (ten days) duration (or completed two courses of at least one week (five days) duration in lieu of every single course/programme of at least two weeks (ten days) duration), (iii) Taken/developed one MOOCs course in relevant subject (with e-certification); and</p> <p>He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade performance assessment reports of at least two out of the last three years of the assessment period as specified in Table II of Appendix of Schedule-I.</p>	
2.	Physical Training Instructor. (Academic Level 12)	100% by promotion under CAS	-	Physical Training Instructor. (Academic Level 11)	<p>1. He/she has completed five years of service on the post mentioned in column number 5.</p> <p>2. He/she has done any two of the following in the last five years: (i) Completed one course/programme from among the categories of refresher courses, research methodology workshops, (ii) Teaching-Learning-Evaluation Technology Programmes/ Faculty Development Programmes of at least two weeks (ten days) duration, (iii) Completed two courses of at least one week (five days) duration in lieu of every single course/programme of at least two weeks (ten days) duration), and (iv) Taken/developed one MOOCs course in the relevant subject (with e-certification); and He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade in the annual performance assessment reports of at least four out of the last five years' of the assessment period as specified in Table II of Appendix of Schedule I.</p>	
3.	Physical Training Instructor. (Academic Level 11)	100% by promotion under CAS	-	Physical Training Instructor. (Academic Level 10)	<p>1. He/she has completed four years of service on the post mentioned in column number 5 with a Ph.D. degree in Physical Education or Physical</p>	

					<p>Education & Sports or Sports Science or five years of service with an M.Phil. degree or six years of service for those without an M. Phil or Ph.D. degree.</p> <p>2. He/she has attended one Orientation course of 21 days' duration; and</p> <p>3. He/she has done any one of the following: (a) Completed Refresher/Research Methodology Course/workshop, (b) Training Teaching-Learning-Evaluation Technology Programme/Faculty Development Programme of at least 5 days duration and (c) Taken/developed one MOOCs course (with e-certification); and</p> <p>He/she gets a 'satisfactory' or 'good' grade in the annual performance assessment reports of at least three/four/five of the last four/five/six years of the assessment period as the case may be, as specified in Table II of Appendix of Schedule I.</p>	
4.	Physical Training Instructor. (Academic Level 10)	100% by direct recruitment	<p>(i) A Master's Degree in Physical Education and Sports or Physical Education or Sports Science with 55% marks (or an equivalent grade in a point-scale, wherever the grading system is followed)</p> <p>(ii) Record of having represented the university/college at the inter-university/inter-collegiate competitions or the State and/or national championships.</p> <p>(iii) Besides fulfilling the above qualifications, the candidate must</p>	-	-	<p>A relaxation of 5% shall be allowed at the Bachelor's as well as at the Master's level for the candidates belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe/Backward Classes (BC) (Non-creamy Layer)/More Backward Classes (MBC) (Non-creamy</p>

			<p>have cleared the National Eligibility Test (NET), conducted by the UGC or CSIR, or a similar test accredited by the UGC, like SLET/SET, or who are or have been awarded a Ph.D. Degree in Physical Education or Physical Education and Sports or Sports Science, in accordance with the University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2009 or 2016 and their amendments from time to time, as the case may be:</p> <p>Provided that, candidates registered for the Ph.D. degree prior to July 11, 2009, shall be governed by the provisions of the then existing Ordinances/ Bye-laws/Regulations of the Institutions awarding the degree and such Ph.D. degree holders shall be exempted from the requirement of NET/SLET/SET for recruitment and appointment of Assistant Professor or equivalent positions in Universities/ Colleges/Institutions, subject to the fulfillment of</p>			<p>Layer)/ Differently abled ((a) Blindness and low vision; (b) Deaf and Hard of Hearing; (c) Locomotor disability including cerebral palsy, leprosy cured, dwarfism, acid-attack victims and muscular dystrophy; (d) Autism, intellectual disability, specific learning disability and mental illness; (e) Multiple disabilities from amongst persons under (a) to (d) including deaf-blindness) for the purpose of eligibility and assessing good academic record for direct recruitment. The eligibility marks of 55% marks (or an equivalent grade in a point scale wherever the grading system is followed) and the relaxation of 5% to the</p>
--	--	--	--	--	--	--

			<p>the following conditions:-</p> <p>(a) The Ph.D. degree of the candidate has been awarded in regular mode;</p> <p>(b) The Ph.D. thesis has been evaluated by at least two external examiners;</p> <p>(c) Open Ph.D. viva voce of the candidate has been conducted;</p> <p>(d) The candidate has published two research papers from his/her Ph.D. work out of which at least one is in a refereed journal;</p> <p>(e) The candidate has presented at least two research papers in conference /seminar, based on his/her Ph.D work.</p> <p>Note: The fulfilment of these conditions (a) to (e) is to be certified by the Registrar or the Dean (Academic Affairs) of the University concerned.</p> <p>(iv) NET/SLET/SET shall also not be required for such Masters Programmes in disciplines for which NET/SLET/SET is not conducted by the UGC, CSIR or similar test accredited by the UGC like SLET/SET.</p> <p>(v) Passed the physical fitness test conducted in accordance with these Regulations.</p> <p>OR</p> <p>An Asian game or commonwealth games medal winner</p>			<p>categories mentioned above are permissible, based only on the qualifying marks without including any grace mark procedure.</p>
--	--	--	--	--	--	---

			who has a degree at least at post-Graduation level.			
--	--	--	---	--	--	--

Appendix of Schedule-I
Table I
Assessment Criteria and Methodology for Librarians

S.No.	Activity	Grading Criteria
1.	<p>Regularity of attending library (calculated in terms of percentage of days attended to the total number of days he/she is expected to attend)</p> <p>While attending in the library, the individual is expected to undertake, inter alia, following items of work:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Library Resource and Organization and maintenance of books, journals and reports. • Provision of Library reader services such as literature retrieval services to researchers and analysis of report. • Assistance towards updating institutional website 	<p>90% and above - Good</p> <p>below 90% but 80% and above--Satisfactory</p> <p>Less than 80% - Not satisfactory</p>
2.	Conduct of seminars/workshops related to library activity or on specific books or genre of books.	<p>Good – 1 National level seminar/ workshop + 1 State/institution level workshop/ Seminar</p> <p>Satisfactory - 1 National level seminar/ workshop or 1 state level seminar/ workshop + 1 institution level seminar/ workshop or 4 institution seminar / workshop</p> <p>Unsatisfactory – Not falling in above two categories</p>
3.	<p>If library has a computerized database then</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p>If library does not have a computerized database</p>	<p>Good – 100% of physical books and journals in computerized database.</p> <p>Satisfactory – At least 99% of physical books and journals in computerized database.</p> <p>Unsatisfactory – Not falling under good or satisfactory.</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p>Good – 100% Catalogue database made up to date</p> <p>Satisfactory- 90% catalogue database made up to date</p> <p>Unsatisfactory - Catalogue database not upto mark.</p> <p>(To be verified in random by the</p>

		CAS Promotion Committee)
4.	Checking inventory and extent of missing books	<p>Good : Checked inventory and missing book less than 0.5%</p> <p>Satisfactory - Checked inventory and missing book less than 1%</p> <p>Unsatisfactory - Did not check inventory</p> <p style="text-align: center;">Or</p> <p>Checked inventory and missing books 1% or more.</p>
5.	<p>(i) Digitisation of books database in institution having no computerized database.</p> <p>(ii) Promotion of library network.</p> <p>(iii) Systems in place for dissemination of information relating to books and other resources.</p> <p>(iv) Assistance in college administration and governance related work including work done during admissions, examinations and extracurricular activities.</p> <p>(v) Design and offer short-term courses for users.</p> <p>(vi) Publications of at least one research paper in UGC approved journals.</p>	<p>Good : Involved in any two activities</p> <p>Satisfactory : At least one activity</p> <p>Not Satisfactory: Not involved/undertaken any of the activities.</p>
Overall Grading	<p>Good : Good in Item 1 and satisfactory/good in any two other items including Item 4.</p> <p>Satisfactory : Satisfactory in Item 1 and satisfactory /good in any other two items including Item 4.</p> <p>Not satisfactory : If neither good nor satisfactory in overall grading.</p>	
<p>Note : (1) It is recommended to use ICT technology to monitor the attendance of library staff and compute the criteria of assessment.</p> <p>(2) The Librarian must submit evidence of published paper, participation certificate for refresher or methodology course, successful research guidance from Head of Department of the concerned department, project completion.</p> <p>(3) The system of tracking user grievances and the extent of grievances redressal details may also be made available to the CAS promotion committee.</p>		

Table II
Assessment Criteria and Methodology for Physical Training Instructors

S.No.	Activity	Grading Criteria
1.	Attendance calculated in terms of percentage of days attended to the total number of days he is expected to attend.	90 and above - Good below 90% but 80% and above--Satisfactory Less than 80 - Not satisfactory
2.	Organizing intra college competition	Good - Intra college competition in more than 5 disciplines.

		Satisfactory - Intra college competition in 3-5 disciplines. Unsatisfactory - Neither good nor satisfactory
3.	Institution participating in external competitions	Good - National level competition in at least one discipline plus State/District level competition in at least 3 disciplines. Satisfactory- State level competition in at least one discipline plus district level competition in at least 3 disciplines. Or District level competition in at least 5 disciplines. Unsatisfactory - Neither good nor satisfactory.
4.	Up-gradation of sports and physical training infrastructure with scientific and technological inputs. Development and maintenance of playfields and sports and physical Education facilities.	Good/Satisfactory/Not-Satisfactory to be assessed by the Promotion committee.
5.	(i) At least one student of the institution participating in national/ state/university (for college levels only) teams. Organizing state/ national/inter university/inter college level competition. (ii) Being invited for coaching at state/ national level. (iii) Organizing at least three workshops in a year. (iv) Publications of at least one research paper in UGC approved journal. Assistance in college administration and governance related work including work done during admissions, examinations and extracurricular college activities.	Good: Involved in any two activities. Satisfactory: 1 activity Not Satisfactory : Not involved/ undertaken any of the activities.
Overall Grading	Good: Good in Item 1 and satisfactory/good in any two other items. Satisfactory: Satisfactory in Item 1 and satisfactory/good in any other two items. Not Satisfactory: If neither good nor satisfactory in overall grading.	
Note: (1) It is recommended to use ICT technology to monitor the attendance of physical education and sports and compute the criteria of assessment. (2)The institution must obtain student feedback. The feed-backs must be shared with the concerned Physical Training Instructor and also the CAS Promotion Committee. (3)The system of tracking user grievances and the extent of grievance redressal details may also be made available to the CAS Promotion Committee.		

SCHEDULE-II

(See rule 25)

Scheme of Examination for direct recruitment of Librarians

Scheme and Syllabus of examination.- (1) The written examination for direct recruitment to the post in the service shall be conducted by the Commission as per scheme specified as below:-

Scheme of competitive examination for the post of Librarian

The Scheme of competitive examination shall consist of, -

- (i) Written examination; and
- (ii) Interview.

A. Written examination:

The written examination shall consist of the following papers carrying the marks and time allowed, as shown against them:-

Paper	Subjects	Marks	Time
I	Subject concerned with the post	75	3 hours.
II	Subject concerned with the post	75	3 hours.
III	General Studies of Rajasthan	50	2 hours.
Total marks		200	

B. Interview:

- (i) The interview shall carry 20 marks.
- (ii) To the extent of three times of total number of vacancies (category wise), the candidates who obtained such minimum qualifying marks in written examination as may be fixed by the Commission, shall be summoned for interview.

C. Syllabus:

The syllabus shall be such as specified by the Commission, from time to time and will be intimated to the candidates with in the stipulated time in the manner as the Commission deems fit.

SCHEDULE-III

(See rule 17 & 25)

Scheme and Syllabus of examination for direct recruitment of Physical Training Instructor

(1) The written examination for direct recruitment to the post in the service shall be conducted by the Commission as per scheme specified as below:-

Scheme of competitive examination for the post of Physical Training Instructor

The Scheme of competitive examination shall consist of, -

- (i) Written examination;
- (ii) Interview; and
- (iii) Physical fitness Test

A. Written Examination:

The written examination shall consist of the following papers carrying the marks and time allowed, as shown against them:-

Paper	Subjects	Marks	Time
I	Subject concerned with the post	75	3 hours.
II	Subject concerned with the post	75	3 hours.
III	General Studies of Rajasthan	50	2 hours.
Total marks		200	

B. Interview :

- The interview shall carry 20 marks.
- To the extent of three times of total number of vacancies (category wise), the candidates who obtained such minimum qualifying marks in written examination as may be fixed by the Commission, shall be summoned for interview.

C. Syllabus :

The syllabus shall be such as specified by the Commission, from time to time and will be intimated to the candidates with in the stipulated time in the manner as the Commission deems fit.

D. Physical Fitness Test:

Physical fitness Test norms as prescribed in sub-rule 2 of rule 17. Such of the candidates who qualify in the written test shall be required to appear for the physical efficiency test/physical fitness test which shall be of qualifying nature.

[No. : F. 1(1)DOP/A-II/2023]

**By order and in the name of the Governor,
RAM NIWAS MEHTA,
JOINT SECRETARY TO THE GOVERNMENT.**

Government Central Press, Jaipur.